किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊंचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें:
7018631199

अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें।
himalayanupdate@gmail.com

www.himalayanupdate.com | 7018631199 | साप्ताहिक समाचार पत्र | Postal Regd no: HP/128/SML/ 2023-25

आपकी आवाज़

हिमालयन अपडेट

RNI-HPHIN/2017/73579

7018631199 | सोमवार 27 मई से 02 जून 2024 | वर्ष: 08 अंक: 08 पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रू. | शिमला से प्रकाशित | himalayanupdate@gmail.com

दिल्ली के बेबी केयर सेंटर में भीषण आग, 7 नवजात की मौत, पांच गंभीर

दिल्ली के विवेक विहार के बेबी केयर सेंटर में भीषण आग लग गई। आग में सात नवजात बच्चों की मौत हो गई, जबकि पांच की हालत गंभीर बनी हुई है।

हिमालयन अपडेट

दिल्ली-देश की राजधानी दिल्ली के शाहदरा के विवेक विहार इलाके में शनिवार देर एक बेबी केयर सेंटर में आग लग गई। आग से 12 बच्चों का रेस्क्यू कराया गया। अग्निकांड में बचाए गए 12 में छह नवजात बच्चों ने दम तोड़ दिया। जबकि एक नवजात की पहले ही मौत हो चुकी थी। सात नवजात बच्चों की मौत हुई है, पांच नवजात अस्पताल में भर्ती हैं, इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि 12 नवजात शिशुओं को इमारत से बचाया गया था लेकिन छह की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि एक बच्चे को मृत निकाला गया था। पांच का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनमें से एक की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 11:32 बजे दिल्ली के शाहदरा इलाके में आईआईटी ब्लॉक बी, विवेक विहार स्थित बेबी केयर सेंटर में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। दमकल विभाग के मुताबिक, चाइल्ड केयर सेंटर में बच्चे और स्टाफ मौजूद था।

मौके पर पहुंचे दमकल कर्मी इमारत में फंसे स्टाफ और नवजात को बचान के लिए जुट गए। देर रात

तक सभी का रेस्क्यू कर लिया गया। एक नवजात मृत मिला था। जबकि बचाए गए 12 नवजात बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान छह नवजात बच्चों ने दम तोड़ दिया।

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि भूतल समेत तीन मंजिला इमारत पूरी तरह से आग की लपटों में घिरी हुई थी। इमारत के बाहर खड़ी एक वैन भी पूरी तरह से जल चुकी थी। मौके पर हाहाकार के बीच दमकल कर्मी तुरंत आग बुझाने में जुट गए।

इमारत के पीछे की खिड़कियां तोड़कर निकाले गए नवजात

शाहदरा जिले के विवेक विहार में बेबी केयर सेंटर में आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शोर शराबे के बीच स्थानीय लोग मदद के लिए भागे। देखते ही देखते आग ने ऊपरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया।

आसपास के लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग के साथ मिलकर इमारत के पीछे की ओर की खिड़कियां तोड़ीं और किसी तरह वहां से नवजात बच्चों को एक-एक कर निकाला।

एक नवजात मृत मिला। जबकि बचाए गए सभी नवजात बच्चों को दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां, इलाज के दौरान छह नवजात बच्चों ने दम तोड़ दिया। पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी सात शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया गया है। अस्पताल के मालिक नवीन किची निवासी 258, भरोन एन्क्लेव, पश्चिम विहार, दिल्ली के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने घटना पर दुख जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा कि विवेक विहार, दिल्ली के एक अस्पताल में आग लगने से अनेक बच्चों की मृत्यु का समाचार

हृदय विदारक है।

ईश्वर शोक संतप्त माता-पिता एवं परिजनों को यह आघात सहने की शक्ति दें। मैं इस घटना में घायल हुए अन्य बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी नवजात बच्चों की मौत पर दुख जताया

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी नवजात बच्चों की मौत पर दुख जताते हुए पोस्ट की है।

उन्होंने लिखा कि बच्चों के अस्पताल में आग की ये घटना हृदयविदारक है। इस हादसे में जिन्होंने अपने मासूम बच्चों को खोया उनके साथ हम सब खड़े हैं। घटनास्थल पर सरकार और प्रशासन के अधिकारी घायलों को इलाज मुहैया करवाने में लगे हुए हैं। घटना के कारणों की जांच की जा रही है और जो भी इस लापरवाही का जिम्मेदार होगा वो बख्शा नहीं जाएगा।

दूरसंचार कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल्स रोकने का दिया निर्देश

हिमालयन अपडेट

नई दिल्ली। सरकार ने फर्जी कॉल्स को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। केंद्र ने भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करके आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल्स को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। दूरसंचार विभाग (डॉट) ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि जालसाज भारतीय नागरिकों को भारतीय मोबाइल नंबर दिखाकर अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल कर रहे हैं। जालसाल इसके जरिए साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी कर रहे हैं। डॉट ने दूरसंचार ऑपरेटरों को भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करके आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने कहा कि दूरसंचार विभाग के निदेशों के अनुसार भारतीय लैंडलाइन नंबरों के साथ आने वाली अंतरराष्ट्रीय जाली कॉलों को टीएसपी द्वारा पहले से ही ब्लॉक किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी फर्जी कॉल्स भारत के भीतर से हो रही हैं, लेकिन विदेशों से साइबर अपराधी कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) में हेरफेर करके ऐसा करने में सक्षम हो रहे हैं।

कान्स में पुरस्कार जीतने पर पायल कपाड़िया प्रधानमंत्री ने दी बधाई

हिमालयन अपडेट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पायल कपाड़िया को कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार जीतने पर बधाई दी है। अपनी फिल्म "ऑल वी इमेजिन एज लाइट" के लिए कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार जीतने वाली पायल पहली भारतीय फिल्म निमार्ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि "ऑल वी इमेजिन एज लाइट" के लिए 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारत को पायल कपाड़िया पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा कि एफटीआईआई की पूर्व छात्रा, उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा के साथ वैश्विक मंच पर लगातार चमक रही है ।

वे भारत में समृद्ध रचनात्मकता की झलक देती है। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल उनके असाधारण कौशल का सम्मान करता है बल्कि अन्य लोगों को भी प्रेरित करता है।

उल्लेखनीय है कि यह सम्मान, महोत्सव का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, उनकी फिल्म को दिया गया, जबकि प्रतिष्ठित पाल्मे डी"ओर अमेरिकी निर्देशक सीन बेकर को उनके काम "अनोरा" के लिए प्रदान किया गया।

धी कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) में हेरफेर करके ऐसा करने में सक्षम हो रहे हैं।

केकेआर ने जीता आईपीएल 2024 का खिताब, हैदराबाद को दी आठ विकेट से करारी शिकस्त

- केकेआर ने तीसरी बार अपने नाम की आईपीएल ट्रॉफी

हिमालयन अपडेट

चेन्नई। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में कोलकाता की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हरा दिया। केकेआर ने आईपीएल के इतिहास में तीसरी बार यह ट्रॉफी अपने नाम की है। इससे पहले केकेआर ने साल 2012 व 2014

में आईपीएल ट्रॉफी जीती थी।

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन केकेआर के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की और हैदराबाद की पूरी टीम को 18.3 ओवर में 113 रन पर ऑलआउट कर दिया।

इसके बाद कोलकाता की टीम ने लक्ष्य को सिर्फ 10.3 ओवर्स में हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी

ध्रुव राठी ने मेरे खिलाफ एकतरफा वीडियो बनाया: स्वाति मालीवाल

हिमालयन अपडेट

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने रविवार 26 मई को यूट्यूबर ध्रुव राठी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कहा कि ध्रुव राठी ने मेरे खिलाफ वीडियो पोस्ट किया। इसकी वजह से मुझे पहले से मिल रहीं रेप और हत्या की धमकियां बढ़ गई हैं। स्वाति मालीवाल ने कहा- जब से मेरी पार्टी आप के नेताओं और वॉलंटियर्स ने मेरे खिलाफ चरित्र हनन, भावनाएं भड़काने और मुझे शर्मसार करने का अभियान चलाया है, तब से मुझे रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। यह तब से और बढ़ गया है, जब से यूट्यूबर ध्रुव राठी ने मेरे खिलाफ एकतरफा वीडियो

पोस्ट किया है। उनके जैसे लोग खुद को स्वतंत्र पत्रकार होने का दावा करते हैं। हालांकि, वो आप प्रवक्ताओं की तरह काम कर रहे हैं। दरअसल, ध्रुव राठी ने 4 दिन पहले इंस्टाग्राम पर केजरीवाल के पीएम बिभव कुमार और स्वाति मालीवाल के बीच मारपीट केस पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसी पर स्वाति मालीवाल ने कहा है कि ध्रुव राठी ने मेरा पक्ष जाने बिना वीडियो बनाया।

चारधाम में अब तक 57 तीर्थयात्रियों की मौत

हिमालयन अपडेट

देहरादून। उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग ने चारधाम तीर्थयात्रियों को उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्वास्थ्य को लेकर एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं। चारधाम यात्रा में इस वर्ष अब तक 17 दिन में 57 यात्रियों की मृत्यु हो चुकी है। इनमें 28 लोग ऐसे हैं, जिनकी केदारनाथ यात्रा मार्ग पर जान गई। इनमें से अधिकतर की आयु 50 साल से अधिक है। रविवार शाम राज्य आपदा परिचालन केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। केदारनाथ यात्रा में आज एक तीर्थयात्रियों की मौत हुई। इसी के साथ मौत की संख्या 28 पहुंच गई। बदरीनाथ में 14, यमुनोत्री में 12 और गंगोत्री में तीन यात्रियों की मौत हुई है। तीर्थयात्रियों की मौत के साथ यह आंकड़ा 57 पहुंच गया है। स्वास्थ्य सचिव ने सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों को हेल्थ एडवाइजरी जारी कर उसी के आधार पर लोगों को चारधाम यात्रा में भेजने का अनुरोध किया है।

किन्नौर भाजपा के गद्दार भाजपा संगठन में बने सरदार, पार्टी का कर दिया बंटाधार: तेजवंत सिंह

हिमालयन अपडेट

किन्नौर: वर्ष-2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर किन्नौर भाजपा से बागी हुए नेता, पूर्व विधायक किन्नौर व आजाद संगठन के संस्थापक तेजवंत सिंह नेगी ने रिकांग पीओ में प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि किन्नौर भाजपा में वे जब तक रहे जीजान लगाकर पार्टी को संगठित किया था, लेकिन भाजपा के अंदर प्रदेका के पूर्व वन निगम उपाध्यक्ष सूरत नेगी के आने से पार्टी का बंटाधार हुआ है और कोई भी भाजपा का कार्यकर्ता सूरत नेगी से खुका नहीं है। जिसके चलते हजारों की संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता आज भी मुझसे जुड़े हुए है। उन्होंने कहा कि किन्नौर भाजपा का जिला अध्यक्ष ने भी हालही

में प्रेस में जारी ब्यान में उन्हें मोदी विरोधी बताया था जबकि उनके पास इसके पुख्ता साक्ष्य नहीं है। उन्होंने कहा कि वे देका के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिल से देका का नायक और विकास पुरुष मानते है। उन्होंने कहा कि भाजपा के अंदर सूरत नेगी व भाजपा का जिला अध्यक्ष यकावंत सिंह नेगी व चंद लोगों ने मिलकर भाजपा को प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी बना रखी है, जिन्होंने हमेकाा भाजपा संगठन में रहकर कम्युनिस्ट की तरह काम किया है जिनके साक्ष्य उनके पास है। उन्होंने कहा कि सूरत नेगी ने वर्ष 2012 से लेकर अबतक जब भी विधानसभा के चुनाव हुए उसमे भाजपा के खिलाफ ही काम किया और सीटू के साथ मिलकर भाजपा के खिलाफ कई बार गतिविधियां भी की है। उन्होंने कहा कि वे अब भाजपा से निष्कासित है और उनपर भाजपा के जिलाध्यक्ष यकावंत सिंह नेगी व सूरत नेगी के द्वारा भाजपा से लोग आजाद संगठन की ओर रुख कर रहे है इससे भोखला कर अनाप शनाप टिपण्णीयां कर रहे है। उन्होंने कहा कि किन्नौर भाजपा में पार्टी के गद्दार सरदार बने है और ईमानदार कार्यकर्ता पार्टी में सूरत नेगी व जिलाध्यक्ष यकावंत सिंह नेगी व भाजपा के अंदर कुछ ठेकेदार जो केवल भाजपा संगठन को कमाई की एजेंसी सोचकर काामिल हुए है उनकी वजह से आजाद संगठन में काामिल हो रहे है। उन्होंने किन्नौर भाजपा के जिलाध्यक्ष यकावंत सिंह नेगी को सलाह दी है कि आजाद संगठन के खिलाफ ब्यानबाजी छोड़े और आजाद संगठन में कितने लोगो की संख्या उनसे जुडी है इसका जवाब उन्हें जल्द मिलेगा, फि लहाल आजाद संगठन देशाहित में अपने मत का प्रयोग करेगा। इस दौरान उनके साथ आजाद संगठन के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौके पर मौजूद रहे है।

एसमएल-17

देश का संविधान बदलना चाहती है भाजपा: शशि थरूर

धर्मशाला/हिमालयन अपडेट

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने कहा कि भाजपा देश के संविधान को बदलना चाहती है। देश का संविधान खतरे में हैं। ऐसा कर भाजपा भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का प्रयास कर सकती है। यह भाजपा नेताओं की मंशा से लगता है।

कांग्रेस नेता शशि थरूर बुधवार को धर्मशाला में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। शशि थरूर ने इलेक्ट्रोल बांड पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। इससे भाजपा की सच्चाई जनता के सामने आई है।

थरूर ने कहा कि भाजपा चार सौ पार का नारा भी इसीलिए दे रही है कि चार सौ से अधिक सांसद यदि उनके पास होंगे तो उन्हें संविधान में बदलाव करने के लिए किसी को पूछना नहीं पड़ेगा, लेकिन भाजपा की मंशा पूरी होने वाली नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले दो तीन चरणों में जिस तरह मतदान हुआ है उससे ही स्पष्ट हो गया है कि भाजपा चार सौ क्या, दो सौ पार भी नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि देश की जनता चाहती है कि उनके मुद्दों को उठाया जाए और उस पर चर्चा हो, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसा करने के बजाए जनता का ध्यान भटकाने का काम करते हैं। थरूर ने कहा कि रोजगार पर काम होना चाहिए था। जिससे देश के युवाओं का भविष्य संवर पाता, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। किसानों की आय बढ़ौतरी का प्रयास होना चाहिए थे, लेकिन दावों से आगे काम नहीं हो पाया। बेरोजगारी 42 फीसदी हो गई है। युवा नौकरी की राह देख रहे हैं। जनता सवाल उठा रही है कि केंद्र सरकार ने आम आदमी के लिए क्या किया है।

प्रत्याशियों के चुनावी व्यय की हुई तीसरी जांच

हिमालयन अपडेट

मंडी: लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों के व्यय रजिस्टर की तीसरी जांच डीआरडीए हॉल मंडी में बुधवार को व्यय पर्यवेक्षक आईआरएस अधिकारी राकेका झा द्वारा की गई। जांच में मंडी संसदीय क्षेत्र के 10 प्रत्याकियों में से 9 प्रत्याकियों के अधिकृत एजेंट चुनावी व्यय जांच हेतु उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी के प्रत्याशी नरेंद्र कुमार का कोई भी व्यय एजेंट व्यय जांच के लिए उपस्थित नहीं हुआ। इस दौरान प्रत्याशियों के चुनावी व्यय का आकलन किया गया। राकेका झा ने व्यय निगरानी टीमों को चुनाव प्रचार के अन्तिम दिनों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देका देते हुए कहा कि प्रत्याकियों के चुनाव प्रचार का व्यय रजिस्टर में दर्ज करने से न छूटे।

उन्होंने कहा प्रत्याकियों के खर्चे की कड़ी निगरानी की जा रही है। इसलिए प्रत्याकियों के अधिकृत एजेंटों से चुनाव चार के खर्च का पूरा ब्यौरा रोजाना रजिस्टर में दर्ज करने करें ताकि सहायक व्यय पर्यवेक्षकों एवं अकाउंटिंग टीमों द्वारा बनाए गए कौडो रजिस्टर से इसका मिलान कर खर्च का सही आकलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि चुनावी खर्चे का नियमानुसार हिसाब न देने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

भाखड़ा विस्थापितों का पक्ष रखने में फ्लॉप साबित हुए चार बार के सांसद: संदीप

हिमालयन अपडेट

बिलासपुर: हिमाचल प्रदेका कांग्रेस के मीडिया कोऑर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने प्रैस को जारी बयान में आरोप लगाया है कि पूरे देका को अपनी कुर्बानियों से रौकान करने वाले भाखड़ा विस्थापितों के मसले को भाजपा के कीर्ष नेता हल करवाना तो दूर की बात है।

इस मसले को नेकानल लेवल पर उठा तक नहीं पाए हैं। बिलासपुर ही नहीं बल्कि ऊना के सैंकड़ो परिवार इस दंका से ग्रसित है। चार बार के सांसद व केंद्रीय मंत्री एक

बार भी बिलासपुर के भाखड़ा विस्थापितों के हकों की पैरवी करने में नाकाम रहे हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में यह मसला ऐसा है जिसे केवल भाजपाईयों ने वोट बैंक की राजनीति के लिए ही प्रयोग किया है।

साठ के दकाक में उजड़े इस काहर की दास्तां सबसे अलग इसलिए भी है। कि यह काहर आजाद देका का पहला विस्थापित काहर है। एक बार बसाव के बाद इसे पूछा तक नहीं गया। विस्थापितों द्वारा किए गए अतिक्रमण को लेकर पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह की सरकार ने 150वर्ग मीटर की नीति का निर्माण कुछ राहत पहुंचाई है। लेकिन भाजपा ने इस संवेदनकील मसले पर कभी गौर ही नहीं किया।

1 जून को लोकसभा चुनावों की वोटिंग के दौरान छोटे-बड़े सभी उद्योग बंद रहेंगे

हिमालयन अपडेट

परवाणू: औद्योगिक नगरी परवाणू में 1 जून को लोकसभा चुनावों की वोटिंग के दौरान छोटे बड़े सभी उद्योग बंद रहेंगे। इस दौरान उद्योगो में कार्यरत श्रमिकों व कामगारों का सवेतन अवकाश रहेगा ताकि वे लोकसभा चुनावों में अपना वोट दाल सके। परवाणू के लेबर इंस्पेक्टर ललित मोहन ठाकुर की अध्यक्षता में परवाणू के लेबर ऑफि स में आयोजित बैठक में परवाणू के औद्योगिक संगठनों ने प्रकाासन को यह भरोसा दिलाया है। बैठक में परवाणू औद्योगिक संघ के महासचिव सार्थक तनेजा, कार्यालय सचिव सुधीर गुलेरिया, लघु उद्योग संघ परवाणू के अध्यक्ष राकेका भाटिया, प्रमोद कार्मा, पवन वर्मा व केप्को लिमिटेड से अरविन्द ठाकुर, गैबरियल की एचआर मैनेजर नेहा कपूर समेत विभिन्न औद्योगिक इकाइयो के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर लेबर इंस्पेक्टर ललित मोहन ठाकुर ने उद्योगपतियों को 1951 के पीपल एक्ट के सेक्कान 135-बी बारे जानकारी दी। उन्होंने उद्योगपतियों को अपने कामगारो व श्रमिकों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए अपने अपने प्रतिष्ठानों में स्लोगन लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। परवाणू इंडस्ट्रीज एसोसिएकान पीआईए के महासचिव सार्थक तनेजा ने बताया की परवाणू औद्योगिक संघ समेत अन्य संगठनों ने लेबर इंस्पेक्टर ललित मोहन ठाकुर को आश्वासन दिया।

की 1 जून को परवाणू के तमाम उद्योग पूरी तरह बंद रहेंगे। उन्होंने कहा की उद्योगो मे कार्यरत श्रमिकों को मतदान करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

मई से 1 जून तथा 4 जून को ड्राई डे घोषित

हिमालयन अपडेट

किामला: जिला दण्डाधिकारी किामला अनुपम ककयप ने आदेका जारी करते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के दृष्टिगत जिला किामला तथा दूसरे राज्यों के साथ लगती सीमा में 3 किलोमीटर के दायरे तक 30 मई सांय 6 बजे से 1 जून, 2024 को सांय 6 बजे तक ड्राई डे घोषित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त मतगणना के दिन 4 जूनए 2024 को मतगणना पूर्ण होने तक भी ड्राई डे रहेगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान होटलों, ढाबों, दुकानों अथवा सार्वजनिक एवं निजी स्थलों पर भी मादक पदार्थों की बिक्री एवं वितरण पर पाबंदी रहेगी।

सरकार को सबक सिखाएगी जनता: बलदेव

हिमालयन अपडेट

नाहन: शिलाई विधानसभा के विश्राम गृह में भारतीय जनता पार्टी द्वारा विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। जनसभा में पूर्व मुख्यमंत्री एव नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का आना प्रस्तावित था। लेकिन हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी के कारण उनका दौरा रद्द हो गया। जिसके बाद उन्होंने मोबाइल के माध्यम से लोगो को संबोधित किया गया।

जय राम ठाकुर ने लोगो को संबोधन में कहा कि आगामी 1 तारीख को कमल का बटन दबा कर मोदी जी को 400 पार लेकर जाए और 4 तारीख को दो सरकारें बनने जा रही है। एक केंद्र में मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार व दूसरी हिमाचल में भाजपा की। पूर्व विधायक किालाई बलदेव तोमर ने बताया कि कांग्रेस सरकार द्वारा किालाई विधानसभा के 2 दर्जन संस्थान जो भाजपा सरकार द्वारा जनहित में खोले गए थे वो कांग्रेस की सरकार द्वारा बंद कर दिए गए।

विकासनगर से विधायक मुन्ना चौहान ने मंत्री हर्षवर्धन और प्रदेका सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहाँ कि वो हाटी समुदाय के नौजवानो के साथ खिलवाड़ कर रहे है और समाज को आपस मे लड़ाने का काम कर रहे है। उत्तराखंड के घनसाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक काक्ति लाल काह ने कहा कि वो किसी प्रदेका की पहली ऐसी सरकार देख रहे है जो संस्थानों को खोलने का नहीं बल्कि बंद करने का काम कर रही है। इस दौरान जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दलीप चौहान अपने समर्थको सहित कांग्रेस छोड़ भाजपा मे काामिल हुए। इस दौरान मंडल अध्यक्ष इंदर ठाकुर, सूरत चौहान, हरि सिंह, राकेका ठाकुर, टीटू नेगी, सहित आदि उपस्थित रहे।

जनता मांग रही हिसाब, कांग्रेस कर रही नौटंकी

प्रदेश की जनता अब इनके झूठ के पुलिंदे पर विकवास करने वाली नहीं है: बिंदल

हिमालयन अपडेट

शिमला: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेका अध्यक्ष डॉ. राजीव बिन्दल ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता जो हिमाचल में चुनावी रैलियों को सम्बोधित कर रहे हैं। उनसे पूछा कि डेढ़ साल पहले हिमाचल प्रदेश की जनता को जो झूठी गारंटियां परोसी थी, उनका हिसाब हिमाचल की जनता मांग रही है और यह नेता दोबारा से और बड़ी-बड़ी नौटंकियां करके जा रहे हैं। प्रदेश की जनता अब इनके झूठ के पुलिंदे पर विकवास करने वाली नहीं है। प्रदेका

के मुख्यमंत्री घोषणा कर रहे है कि मेरा खजाना खाली है और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता अरबों-खरबों रुपए की घोषणाएं करके जा रहे हैं।

डॉ. बिन्दल ने कहा कि प्रदेका की जनता से कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व को और प्रदेका के मुख्यमंत्री को माफ ी मांगनी चाहिए जिन्होनें प्रदेका के मतदाता के साथ धोखा किया, छल किया, कपट किया एक बार नहीं लगातार कर रहे हैं। डॉ. बिन्दल ने कहा कि हिमाचल का विकास जो विगत भाजपा सरकार में हो रहा था उस विकास कार्य को वर्तमान कांग्रेस सरकार ने ताला लगाकर जनता का नुकसान किया। मोदी द्वारा दी गई गरीब कल्याण की योजनाएं, सडकों के निर्माण की योजनाएं, पेयजल निर्माण की योजनाओं को भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार में समाप्त कर दिया जिसका हिसाब 1 जून को जनता मोदी को अपना आकीर्वाद देकर हिमाचल प्रदेका में कमल खिलाएगी और भाजपा चारों लोकसभा सीटें भारी बहुमत से जीतकर जीत की हैट्रिक लगाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की लोकप्रियता से कांग्रेस के नेता पूरी तरह घबराए हुए है।यही कारण है कि वह ऐसी बयान बाजी कर रहे हैं जिससे वह स्वयं का मनोबल बढ़ा सके पर यहसंभव नहीं है।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

सरकार कर्मचारियों के पेंशन में करेगी कटौती: जयराम

अब 50 के बजाय 30 प्रतिशत पेंशन देगी प्रदेश सरकार, फाइल हो चुकी है तैयार

हिमालयन अपडेट
मंडी: पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। मंडी में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार लोकसभा चुनावों के बाद ओपीएस की राशि में बड़ी कटौती करने जा रही है। कर्मचारियों को अभी रिटायरमेंट पर मिलने वाली सैलरी का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलता है लेकिन अब सरकार सिर्फ 30 प्रतिशत देने पर मुहर लगाने वाली है। पुख्ता जानकारी के मुताबिक इस संदर्भ में फाइल बनकर तैयार हो चुकी है और यह फ इल चीफ सेक्रेटरी के पास पहुंच भी गई है। कैबिनेट मीटिंग के लिए इस फ इल को एजेंडे में शामिल भी कर दिया गया है। चुनावों के बाद जो पहली कैबिनेट की मीटिंग होगी उसमें इस पर मुहर लग जाएगी। जयराम ठाकुर ने कहा कि अगर 30 प्रतिशत की पेंशन देनी है तो फि र ओपीएस और एनपीएस में क्या अंतर रह जाएगा। प्रदेश सरकार न अभी तक कर्मचारियों को डीए दे पाई है और न ही एरियर। उल्टा पेंशन में भी कटौती करने जा रही है। उन्होंने कर्मचारियों को चेताया कि कर्मचारी इस बात को लेकर सचेत हो जाएं कि लोकसभा चुनावों के बाद उनके साथ बड़ा अन्याय होने वाला है। जयराम ठाकुर से उनकी पार्टी की सरकार के सत्ता में आने के बाद ओपीएस बंद करने को लेकर पूछे

गए सवाल के जबाव में कहा कि भाजपा कभी बदले की भावना से काम नहीं करती है। कांग्रेस ने बदले की भावना से काम करते हुए पूर्व सरकार के समय में खोले गए एक हजार संस्थानों को बंद किया है। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा 55 लाख की राशि मिलने को लेकर लगाए जा रहे आरोपों को भी कोरा झूठ बताया। उन्होंने कहा कि सीएम बताएं कि यह राशि कहां मिलीए किसकी थी और सबसे बड़ी बात कि क्या इसे पुलिस के हवाले किया गया या कोई मामला दर्ज करवाया गया। जयराम ठाकुर ने कहा कि सिर्फ नेता विपक्ष को टारगेट करने के लिए उन्होंने भारी सभा में यह झूठ बोल दिया कि फलां नेता को 55 लाख रूपए मिले हैं जबकि हकीकत में न तो कोई धनराशि मिली है और न ही कोई मामला दर्ज हुआ है। रोजाना बेबुनियाद आरोप लगाकर झूठ बोलना ही सीएम सुक्खू की आदत बन गई है। उन्होंने मंडी संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे विक्रमादित्य सिंह पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि लोक निर्माण रहते बरसात के बाद सडकों से मलबा तक नहीं हटा सका हो और काहरी विकास मंत्री होने के बाबजूद कोई प्लान नहीं बना सका हो वो बड़े विजन की बात कर जनता को गुमराह कर रहे हैं। पहले वो जनता को ये बताएं कि मंत्री पद छोड़कर सांसद बनने के लिए इतने उतावले क्यों हो रहे हैं। जनता ये जानना चाहती है कि आपकी माता प्रतिभा सिंह जो पार्टी की अध्यक्ष भी हैं ने जब चुनाव लड़ा? से ही मना कर दिया तो आप क्यों तैयार हुए। क्या ये सच नहीं है कि आप को हाकिये पर धकेलने की साजिका मुख्यमंत्री ने ही रची। आप जनता को बताएं कि उस इस्तीफे का अब क्या हुआ जो आपने प्रेस कांफ्रें स में रोते हुए दिया था।

मतदान केन्द्र में 4 या 4 से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध

शिमला: जिला दण्डाधिकारी कािमला अनुपम ककयप ने धारा 144 की कात्तियों का प्रयोग कर आदेका जारी करते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के दृष्टिगत जिला कािमला में मतदान केन्द्र के 100 मीटर के दायरे में मतदान के लिए लाइन में लगे लोगों और कानून एवं व्यवस्था में तैनात कर्मियों को छोड़कर 4 या 4 से अधिक लोगों के एक साथ एकत्रित एवं चलने पर प्रतिबंध होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव ड्यूटी में तैनात सुरक्षा कर्मियों को छोड़कर अन्य व्यक्तियों को मतदान केन्द्र के 100 मीटर के दायरे में अग्नि कास्त्र घातक हथियार, बैनर, स्टीक लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। चुनाव ड्यूटी में कामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को छोड़कर 100 मीटर के दायरे में लाउड स्पीकर,मोबाइल फ ोन, माइक्रो फ ोन का उपयोग करने पर भी प्रतिबंध रहेगा। यह आदेका सीआरपीसी की धारा 144 (2) के तहत स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पारित किए जाते हैं तथा यह आदेका सरकारी कर्मचारी, कानून एवं व्यवस्था, आवकयक सेवाएं एवं चुनाव संचालन से जुड़े लोगों पर लागू नहीं होंगे।

मतदान के अंतिम 48 घंटों में प्रिंट मीडिया में विज्ञापन का प्रमाणीकरण जरूरी

हिमालयन अपडेट
कुल्लू : जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मीडिया प्रमाणीकरण एवं अनुश्रवण समिति एमसीएमसी के अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि प्रिंट मीडिया में राजनीतिक दलों या प्रत्याकियों द्वारा विज्ञापन प्रकाकान के लिए मतदान के अंतिम 48 घंटों में पूर्व प्रमाणीकरण अनिवार्य है। एमसीएमसी द्वारा 24 घंटे लोकसभा चुनावों तथा विस उपचुनाव के दौरान राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, संस्थाओं या

व्यक्तियों द्वारा बिना पूर्व प्रमाणीकरण के राजनीतिक विज्ञापन का प्रसारण करने अथवा प्रिंट मीडिया में पेड न्यूज की निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निदेकों के अनुसार राजनीतिक विज्ञापन प्रसारित करने से पहले इसका पूर्व प्रमाणीकरण करवाना जरूरी है। पूर्व प्रमाणीकरण के लिए राज्य स्तर पर कािमला में तथा जिला स्तर पर एमसीएमसी समिति बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रानिक मीडिया, सोकाल मीडिया तथा बल्क एसएमएस इत्यादि के लिए पूर्व प्रमाणीकरण अनिवार्य है। वहीं आवेदक निर्धारित प्रपत्र पर विज्ञापन संबंधी जानकारी, ऑडियो-वीडियो फाइल व स्क्रिप्ट की स्व-हस्ताक्षरित कॉपी भेज कर अनुमति प्राप्त कर सकते हैं।

माइक्रो आब्जर्वर के लिए दूसरे प्रशिक्षण का आयोजन

हिमालयन अपडेट
शिमला: लोकसभा चुनाव 2024 के दृष्टिगत गत दिवस को बचत भवन के सभागार में कािमला जिला के लिए तैनात किए गए माइक्रो ऑब्जर्वर के लिए दूसरे प्रकािक्षण कािविर का आयोजन किया गया और उन्हें जिला के विभिन्न मतदान केंद्रों में तैनाती के आदेका भी प्रदान किए गए। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी कानून एवं व्यवस्था अजीत भारद्वाज ने प्रकािक्षण कािविर की अध्यक्षता करते हुए कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर का कार्य मतदान केन्द्र में हो रही विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की देखरेख करना रहेगा। उन्होंने कहा कि माइक्रो

ऑब्जर्वर पोलिंग पार्टी का हिस्सा न होते हुए, मतदान केन्द्र में हो रही सभी प्रकार की गतिविधियों की देखरेख करेंगे तथा मतदान के उपरांत वह अपनी रिपोर्ट संबंधित सहायक रिटर्निंग अधिकारी को सौंपेंगे।

उन्होंने कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर को प्रिजाइडिंग ऑफि सर द्वारा किए जा रहे सभी कार्यों की देखरेख भी करनी होगी ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो सके। उन्होंने कहा कि जिला के 50 प्रतिकात मतदान केन्द्रों में वेबकास्टिंग भी की जाएगी। सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदान केन्द्र में कैमरा मकाीन के ऊपर न लगा हो ताकि मतदान की गोपनीयता बनी रहे।

अजीत भारद्वाज ने कहा कि मतदान के दिन सभी माइक्रो ऑब्जर्वर प्रातः 5 बजे अपने-अपने मतदान केन्द्र में पहुंचना सुनिश्चित करेंगे ताकि प्रातः 5:30 बजे मॉकपोल का आयोजन किया जा सके।

उन्होंने कहा कि आप सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि मॉकपोल के दौरान पॉलिटिकल पार्टी के एजेंट वहां पर मौजूद नहीं है तो इस स्थिति में 15 मिनट तक उनका इंतजार करना होगा अन्यथा 15 मिनट के बाद मॉकपोल प्रक्रिया को आरंभ किया जाएगा।

माइक्रो ऑब्जर्वर एवं पोलिंग पार्टियों की रेंडमाइजेकान का आयोजन

हिमालयन अपडेट
शिमला: लोकसभा चुनाव 2024 के दृष्टिगत 4-कािमला (अ.जा.) लोकसभा चुनाव क्षेत्र के लिए तैनात सामान्य पर्यवेक्षक जंग बहादुर यादव की निगरानी में माइक्रो ऑब्जर्वर की दूसरी एवं पोलिंग पार्टी की तीसरी रेंडमाइजेकान का आयोजन गत दिवस को उपायुक्त कार्यालय के एनआईसी कक्ष में किया गया, जिसकी अध्यक्षता रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कािमला अनुपम ककयप ने की। रिटर्निंग अधिकारी ने कहा कि 4-कािमला लोकसभा चुनाव क्षेत्र के लिए तीन जिलों में 148 माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती की गई है, जो मतदान के दिन पोलिंग बूथ पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों पर अपनी नज? रखेंगे। उन्होंने कहा

कि इसके अतिरिक्त चुनाव क्षेत्र के लिए 105 माइक्रो ऑब्जर्वर को रिजर्व रखा गया है ताकि आवकयकता अनुसार उनकी तैनाती की जा सके। अनुपम ककयप ने कहा कि 4-कािमला लोकसभा चुनाव क्षेत्र के अंतर्गत जिला कािमला में 34 माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती की गई है तथा 9 माइक्रो ऑब्जर्वर को रिजर्व रखा गया है वहीं जिला सोलन में 56 माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती की गई है तथा 73 को रिजर्व रखा गया है। इसके अतिरिक्त जिला सिरमौर में 58 माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती की गई है तथा 23 को रिजर्व रखा गया है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त आज 4.कािमला लोकसभा चुनाव क्षेत्र के लिए पोलिंग पार्टी की तीसरी रेंडमाइजेकान का भी आयोजन किया गयाए जिसमें जिला कािमला के 1026 पोलिंग बूथए जिला सोलन के 592 पोलिंग बूथ तथा जिला सिरमौर के 566 पोलिंग बूथ के लिए पोलिंग पार्टियों के आदेका जारी किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि इन पोलिंग पार्टियों के अतिरिक्त सभी जिलों में 20 प्रतिकात मतदान कर्मियों को रिजर्व रखा गया है ताकि जरूरत पड? पर उन मतदान कर्मियों की सेवाएं ली जा सके। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सोलन अजय यादव, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी प्रोटोकॉल कािमला ज्योति राणा,

जोगिंद्रनगर में मतदानकर्मियोंकी तीसरी व अंतिम चुनावी रिहर्सल पूरी

हिमालयन अपडेट
जोगिंद्रनगरः एक जून को होने जा रहे लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत 31-जोगिंद्रनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए तैनात मतदान कर्मियों की तीसरी व अंतिम चुनावी रिहर्सल आज पूरी हो गई। इस चुनावी रिहर्सल में 675 मतदान कर्मियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त ईवीएम इंजीनियरएसेक्टर मजिस्ट्रेट तथा सेक्टर अधिकारी भी मौजूद रहे। इस बात की पुष्टि करते हुए सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम जोगिन्दर नगर मनीका चौधरी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत तैनात मतदान कर्मियों की तीसरी व अंतिम चुनावी रिहर्सल आज राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठकााला जोगिन्दर नगर के प्रांगण में पूरी हुई। इस दौरान उपस्थित मतदान कर्मियों को तमाम मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

सभी मतदान पार्टियों को उनके मतदान केंद्रों के लिए कल यानि कि 30 मई को मतदान सामग्री के साथ रवाना कर दिया जाएगा। उन्होने बताया कि जोगिन्दर नगर विधानसभा क्षेत्र के लिए 168 मतदान दलों के अंतर्गत कुल 675 कर्मियों की तैनाती की गई हैं जिनमें 168 पीठासीन अधिकारीए 168 सहायक पीठासीन अधिकारी तथा 339 मतदान कर्मी कामिल हैं। इसके अलावा 37 मतदान दलों को रिजर्व में रखा गया है। महिला मतदान केंद्रों के लिए 20 महिला, जबकि एक युवा मतदान केंद्र के लिए 8 युवा मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है।

एचआरटीसी प्रबन्ध निदेशक की ओर से दिए गए बयान को झूठ का पुलिंदा व हास्यास्पद करार दिया

हिमालयन अपडेट
शिमला: रेहड़ी-फ ड़ी तयबजारी यूनियन सम्बन्धित सीटू ने तहबजारियों को ओल्ड बस स्टैंड कािमला से उजाड़ने पर एचआरटीसी प्रबन्ध निदेकाक की ओर से दिए गए बयान को झूठ का पुलिंदा व हास्यास्पद करार दिया है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि एचआरटीसी प्रबन्धन झूठ बोलना बन्द करे अन्यथा काहर में पर्चा छापकर व पोस्टर लगाकर प्रबन्धन के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाया जाएगा। यूनियन अध्यक्ष सुरेंद्र बिट्टू व महासचिव राकेका कुमार ने कहा है कि एचआरटीसी प्रबन्धन अपनी गलत कार्रवाई को सही

ठहराने के लिए मनगढ़ंत झूठी कहानियां गढ़ रहा है व यह कह रहा है कि ये तहबाजारी गैर कानूनी हैं। ऐसे तर्क देकर प्रबन्ध निदेकाक अपने ही परिवहन विभाग के तत्कालीन मंत्री द्वारा इन तयबजारियों को फोटोग्राफी करके ओल्ड बस स्टैंड कािमला की उक्त जगह पर तहबाजारी के स्ट्रीट वेंडिंग सर्टिफिकेट व पहचान पत्र जारी किये हैं। वर्ष 1990 में जारी किए गए प्रमाण पत्र को झूठा ठहरा रहे हैं व सरकारी ओहदों में बैठे हुए अपने से वरिष्ठ प्रतिनिधियों के आदेकों की अवहेलना कर रहे हैं। इन तयबजारियों को माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा वर्ष 2007 में दिए गए आदेकों के आधार पर मई 2014 में बने स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट के अनुसार नगर निगम कािमला के आयुक्त की अध्यक्षता में बनी टाउन वेंडिंग कमेटी ने सर्वे व

कैंब्रिज ने भारत में मार्च 2024 के परीक्षा परिणामों की घोषणा की

शिमला :हिमालयन अपडेट
कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप ने भारत में अपने मार्च 2024 के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी है।

देश में 400 स्कूलों से 15000 से ज्यादा विद्यार्थियों को कैंब्रिज आईजीसीएसई और इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। यह भारत में कैंब्रिज द्वारा आयोजित अब तक की सबसे बड़ी मार्च की परीक्षाएं थीं इस साल मार्च की परीक्षाओं के लिए 76000 से ज्यादा प्रविष्टियां आई थीं जो पिछले साल के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा थीं।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

अनुराग ठाकुर हवाई नेता, रायजादा जमीनी : हरिकृष्ण हिमराल

हिमालयन अपडेट
किमलाः हमीरपुर संसदीय सीट पर कांग्रेस प्रत्याकी सतपाल रायजादा भारी बहुमत से जीतने वाले हैं। जिस तरह से सतपाल रायजादा को जनता का समर्थन मिल रहा है वह विपक्षी पार्टी के खेमे में खलबली मचाने वाला है। एक जून को संसदीय क्षेत्र की जनता सतपाल रायजादा को अपना अपार समर्थन आकीर्वाद के रूप में देने वाली है। यह बात कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष हरिकृष्ण हिमराल ने जारी एक मीडिया बयान को दी। उन्होंने कहा कि सतपाल रायजादा जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं जबकि अनुराग ठाकुर हवाई नेता हैं। जो जनता को सिर्फ बरगलाने का काम करते हैं। हिमराल ने कहा कि हमीरपुर संसदीय सीट पर क्षेत्र की जनता इस बार अनुराग ठाकुर को अग्निवीर की तरह रिटायर करने वाली है। क्योंकि क्षेत्र की जनता उनके बड़बोलेपन और जुमलों से परेकान हो गई है। उन्होंने कहा कि एक ओर 4 बार के सांसद अनुराग ठाकुर हैं तो दूसरी तरफ कांग्रेस प्रत्याकी सतपाल रायजादा है जो ईमानदार और लोगों की सेवा करने वाले नेकदिल इंसान हैं। हिमराल ने कहा

कि क्षेत्र की जनता धूमल परिवार से ऊब चुकी है जो सिर्फ अपनी ठाठबाठ और ऊंचे रुतबे के चलते आम जनता की अनदेखी करती है। हिमराल ने कहा कि अनुराग ठाकुर ने 4 बार सांसद और केंद्रीय मंत्री रहते हुए ऐसी कौन सी तोप मारी है जिसके चलते वे आज पांचवीं बार क्षेत्र की जनता से वोट मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर ऐसी 4 उपलब्धियां जनता को गिनवाएं जिसके चलते उन्हें वोट दिया जाए। हर बार सिर्फ धर्म-जाति, हिंदू मुस्लिम की राजनीति कर वोट नहीं मांगे जाते। हिमराल ने कहा कि प्रदेश में आई भयंकर आपदा के दौरान जहां सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू और डिप्टी सीएम मुकेका अग्निहोत्री समेत सतपाल रायजादा जैसे अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने प्रभावितों के बीच जाकर राहत पहुंचाने का काम करते रहे तो वहीं सांसद व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर सिर्फ राजनीति और दिल्ली में गायब रहे। उस दौरान उन्हें हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की जनता की याद तक नहीं आई बल्कि उल्टा-सरकार को मिलने वाली आर्थिक सहायता और राहत सामग्री रोकने का काम करते रहे। अनुराग ठाकुर समेत दो अन्य भाजपा सांसदों ने लोकसभा सदन के भीतर हिमाचल से जुड़ा एक भी सवाल जवाब नहीं किया। प्रदेका में आपदा से 10 हजार करोड़ का नुकसान हुआ 551 लोगों की जान गई लेकिन केंद्र

मतदान कार्य में लगे अधिकारी व कर्मचारी संजीदगी और जिम्मेदारी से करें कार्य : अनुपम

हिमालयन अपडेट
शिमला : रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिमला अनुपम कश्यप ने कहा कि मतदान कार्य में लगे सभी अधिकारी व कर्मचारी अपना कार्य पूरी संजीदगी और जिम्मेदारी से करें। अनुपम कश्यप गत दिवस को उपायुक्त कार्यालय के बचत भवन में मतदान और मतगणना दिवस की तैयारियों को लेकर नोडल अधिकारियों और अन्य सहायक स्टाफ के आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को अपनी तैयारी 30 मई तक पूर्ण करना सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए ताकि किसी भी प्रकार की कमी को 31 मई को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 01 जून 2024 को प्रातः 7 बजे से आरम्भ होगा परन्तु उससे 90 मिनट पहले मॉक पोल का आयोजन राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में करवाया जायेगा। मॉक पोल की रिपोर्ट सही आने पर ही 7 बजे से मतदान आरम्भ होगा। उन्होंने मतदान कार्य में लगे सभी अधिकारी व कर्मचारियों को 01 जून को प्रातः 5 बजे पहुँचने के निर्देश दिए ताकि 5:30 बजे मॉक पोल का आयोजन किया जा सके।

एड्स को खत्म करने के लिए सभी मिलकर आगे आएंः राजीव कुमार

हिमालयन अपडेट
शिमलाः हिमाचल प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के परियोजना निदेशक राजीव कुमार ने आज हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण संस्थान परिमहल शिमला में सोसायटी द्वारा सामुदायिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए जिला स्तरीय नेटवर्क, राज्य स्तरीय नेटवर्क, पीपल लिविंग विद एचआईवी की क्षमता निर्माण कार्यक्रम एवं उपचार साक्षरता कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस दो दिवसीय कार्यशाला का विषय ष्मेरा स्वास्थ्य . मेरी जिम्मदारीष् है। कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश में एचआईवी पॉजीटिव लोगों को राज्य स्तरीय तंत्र तथा जिला स्तरीय नेटवर्क के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। इससे हिमाचल प्रदेश के सभी एचआईवी पॉजीटिव व्यक्ति मिलकर इस संक्रमण को रोकने के लिए कार्य कर सकेंगे और अपने अधिकारों व सुविधाओं के बारे में जागरूक बनेंगे।

राजीव कुमार ने कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों को शीघ्रातिशीघ्र जिला स्तरीय नेटवर्क का गठन कर पंजीकरण करवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आईए! हम सभी मिलकर एचआईवी तथा एड्स को खत्म करने के लिए आगे आएंए जिसके

लिए एचआईवी जांच अवश्य करवाएं। एचआईवी पॉजीटिव लोगों को इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए आगे आना होगा तभी हम मिलकर इस बीमारी को जड़ से खत्म करने में कामयाब होंगे। कार्यशाला के दौरान उपचार साक्षरता कार्यक्रम मेरा स्वास्थ्य - मेरी जिम्मेदारी पर भी विस्तृत चर्चा कर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

जंगलों में भीषण आग से करोड़ों की संपदा हो रही राख

शिमलाः हिमाचल प्रदेश में प्रचंड गर्मी के साथ ही जंगलों में आग का तांडव भी देखने को मिल रहा है। शिमला सहित प्रदेश के अन्य जिलों में भी जंगलों में भीषण आग से करोड़ों की वन संपदा स्वाह हो रही हैं। भाजपा ने जंगलों की आग को लेकर सरकार को घेरा है और इसे कांग्रेस सरकार की नाकामी बताया है। पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश भारद्वाज ने कहा कि प्रदेश में 9480 हेक्टेयर भूमि आग की चपेट में हैं। जंगलों की आग बस्तियां तक पहुंच गई है लेकिन सरकार और विभाग के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। आग के कारण टूटी कंडी बालिका आश्रम से बच्चियों को मसोबरा सिफ्ट करना पड़ा।

राजनीति विज्ञान हमारे जीवन का अभिन्न अंग : डॉक्टर गोपाल

हिमालयन अपडेट
मंडीः राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय कोटकोरा किमला 4 के राजनीति कास्त्र विभाग द्वारा राजनीतिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और रोजगार के विविध अवसरों पर ऑनलाइन कार्यकाला का आयोजन किया गया। यह जानकारी प्रो. प्रतिभा ठाकुर ने दी। उन्होंने कहा कि कार्यकाला में मुख्यतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ गोपाल कृष्ण चौहान रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए एसोसियेट प्रोफे सर डॉ सुनील चौहान ने कार्यकाला के उद्देश्यों

पर प्रकाका डाला और छात्रों को व्यक्तिगत समस्याओं के प्रबंधन एवं जीवन में कड़ी मेहनत ं उद्देश्य निर्धारण के विषय संबंधी ज्ञान दिया। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता सेंट बिड्स कॉलेज से डॉ रमेका कुमार ने छात्रों को राष्ट्रीय ं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के विषयों पर जानकारी देते हुए कहा कि राजनीति विज्ञान हमारे जीवन का अभिन्न अंग है तथा हर सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र में रोजगार के बहुत से अवसर विद्यमान है प्रोफे सर अजय कुमार ने छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी किस प्रकार की जाये तथा अनुसंधान के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के विषय में जानकारी दी असिस्टेंट प्रोफेसर प्रतिभा ठाकुर ने छात्रों को पढ़ाई के दौरान टाइम मैनेजमेंट के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी कार्यकाला में राजीव गांधी महाविद्यालय सहित धामी, पनारसा, धर्मकाला, सुन्नी, दारलाघाट कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।
एसएमएल-24

शिमला शहर में पानी का संकट, मैन लाइन में लीकेज से बर्बाद हो रहा था लाखों लीटर पानी, मौके पर पहुंचे महापौर

हिमालयन अपडेट
शिमलाः शिमला में गर्मियों में पानी का संकट गहरा गया है कई क्षेत्रों में दो से तीन दिन बाद लोगों को पानी मिल रहा है वही शहर में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं और पानी की मुख्य लाइनों में से लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। मशोबरा में पानी की मुख्य लाइन से पानी लीकेज हो रहा था ओर पानी खुले में बह रहा था। जिसका वीडियो बना कर स्थानीय लोगो ने नगर निगम के महापौर सुरेंद्र चौहान को भेजा। वही महापौर भी अधिकारियों के साथ बुधवार को मशोबरा पहुचे ओर मौके का जायजा लिया और अधिकारियों को लीकेज को बन्द करने के निर्देश दिए।

नगर निगम के महापौर सुरेंद्र चौहान ने कहा कि मशोबरा में पानी की लीकेज की शिकायत मिली थी और यहां पर आज अधिकारियों के साथ आए हैं अधिकारियों को यहां पर लीकेज बंद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिमला के लिए जो पाइपलाइन बिछाई गई है वह काफी पुरानी है जिसके चलते पानी काफ ी जगह से लीकेज हो रही है। जिससे पानी बर्बाद हो रहा है उन्होंने कहा कि शिमला में पानी का वैसे भी इन दोनों संकट गहराया हुआ है और यदि लीकेज पूरी तरह से रोक दी जाए तो पानी की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। गुम्मा से जो शिमला के लिए पानी की लाइन 100 साल पुरानी है इसे बदलने का लेकर भी कार्य शुरू किया गया है जिस पर 4 करोड रुपए खर्च होंगे जिससे पानी की लीकेज काफी हद तक बंद की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि शिमला शहर में हर रोज 40 एमएलडी पानी आ रहा है बावजूद इसके 2 लाख की आबादी को पानी न मिलाना यह चिंता का विषय है इसको लेकर जल निगम के अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं। बता दें शिमला शहर में इन दोनों पानी का संकट गहराया और कई क्षेत्रों में तीन दिन बाद भी लोगों को पानी मिल रहा है हालांकि शिमला शहर में 40 से 42 एचडी पानी की जरूरत रहती है और इन दोनों भी 40 के करीब एमएलडी पानी आ रहा है बावजूद इसके शिमला शहर के लोगों को पानी नहीं मिल रहा है जल निगम का तर्क है कि पर्यटन सीजन के चलते पानी की ज्यादा खपत रहती है और परियोजनाओं में भी पानी का स्तर कम हो गया है।

भाजपा को हिमाचल में भारी बहुमत, मोदी बनेंगे फिर प्रधानमंत्री : सुरेश कश्यप

हिमालयन अपडेट
नाहन/सोलनः भाजपा को हिमाचल प्रदेश की चारों लोक सभा सीटों पर जनता के आशीर्वाद से भारी बहुमत मिलने का पूर्ण विश्वास है, जिससे कमल एक बार फि र खिलेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 400 सीटों के साथ लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा सांसद एंव प्रत्याशी सुरेश कश्यप ने पच्छाद और सोलन विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान कहा कि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने राज्य में त्रासदी और विकास के लिए भेजे गए पैसों का दुरूपयोग किया और अपने चहेतो में बंदरबांट किया है। उन्होंने कहा

कि आपदा प्रभावित लोगों तक उस राशि को नहीं पहुंचने दिया जिन्हें उनकी असल में आवश्यकता थी। कांग्रेस सरकार ने पीड़ितों को बेसहारा छोड़ दियाए जबकि भाजपा पीड़ितों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी रही। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह ने हरसंभव मदद उपलब्ध कराई है। सांसद कश्यप ने कहा कि कांग्रेस का झूठ अब सामने आने वाला है हर बात पर रोने वाली कांग्रेस अपने आने वाले कार्यकाल में भी मात्र रोने का ही कार्य करेगी। इसलिए हिमाचल के जागरूक मतदाताओं को अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए इस झूठी सरकार को निकाल बाहर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी चाशनी में जहर देने का काम कर रही है और दलितए पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण पर डाका डालने का प्रयास कर रही है। भारतीय जनता पार्टी जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है और किसी भी सूरत में एससीए एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण को छीनने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जिनके नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर इंडी गठबंधन के रूप में भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है जिसे देश की महान संस्कृति से नफ रत है। तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस, झारखंड सरकार और आम आदमी पार्टी के कई नेता भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं। ममता बनर्जी के मंत्रियों के घरों से पैसे बरामद हुए हैं, कांग्रेस के सांसद के घर से 365 करोड़ से ज्यादा रुपए मिले हैं, झारखंड के मंत्री के पीए के घर में 29 करोड़ रुपए कैश मिले हैं और अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले में जेल से बेल पर हैं।

राहुल गांधी खुद जमानत पर चल रहे हैं। कश्यप ने कहा कि कांग्रेस सरकार सीमा पर सडक बनाने से डरती थी कि दुश्मन आ जाएगा, लेकिन मोदी ने बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर की नई कहानी लिखी है और अटल टनल को भी पूरा कराया है।

आठ परिवारों ने भाजपा छोड़ थामा शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर का हाथ

हिमालयन अपडेट
शिमलाः कोटखाई तहसील के उबादेश क्षेत्र की ग्राम पंचायत बाघी से संदीप रंजटा, ग्राम पंचायत कलबोग से बिट्टू राजटा, दिनी राजटा, अनुज भलेईक, ग्राम पंचायत रतनाड़ी के खमारवी गाँव से प्रेम भोलटा, जुब्बल तहसील के ग्राम पंचायत नंदपुर से कमल ठाकुर, ग्राम पंचायत बढाल के शड़हाना से हरीश मलोकटा, ग्राम पंचायत सारी से प्रीतम मास्टा, ग्राम पंचायत नकराड़ी से मोहिंदर सिंह परिवार सहित शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की कार्यशैली और उनके द्वारा जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में करवाए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होते हुए भाजपा छोडकर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने सभी का कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुब्बल नावर कोटखाई के अध्यक्ष मोतीलाल डेरटा ने सभी का कांग्रेस पार्टी पर विश्वास व्यक्त करने के लिए आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि सभी को पार्टी में पूरा मान.सम्मान दिया जाएगा।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

मौसम विभाग ने गर्मी को लेकर जारी किया अलर्ट

प्रशासन ने आमजन के लिए जारी की एडवाइजरी। अनावश्यक रूप से बाहर ना निकलें, काम को सुबह व शाम के समय समायोजित करे: उपायुक्त

झज्जर/हिमालयन अपडेट

मौसम विभाग द्वारा क्षेत्र में गर्मी के मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। अगले दो दिनों तक जिले में शुष्क मौसम रहने व लू चलने की संभावना जताई गई है जिसे देखते हुए जिला प्रशासन ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। जिले में तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है व आने वाले दो से तीन दिनों तक शुष्क मौसम व लू का प्रकोप जारी रहने का अलर्ट जारी किया गया है।

उपायुक्त ने कहा कि क्षेत्र के लोग अनावश्यक धूम में निकलने से बचे व हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े

पहनें। अगर धूप में घर से निकलते हैं तो सिर पर टोपी रखें या फिर छतरी का इस्तेमाल करें ताकि गर्मी से बचाव रहे।

उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी में लोगों से अपने रोजमर्रा के कार्य सुबह व शाम के समय समायोजित करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में भी पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि गर्मी के मौसम में आमजन के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए। डीसी ने बताया कि आगामी 28 मई तक जिले में भीषण गर्मी व लू (सिवियर हीट वेव) का अलर्ट है व रात के समय भी तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। इसके अलावा 29 मई व 30 मई के दिन भी तापमान गर्म रहेगा इन दोनों दिनों के लिए सचेत व निगरानी का अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि लू से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

लोकहित मंच द्वारा आयोजित किया गया रक्तदान शिविर में 63 लोगों ने रक्त दिया

स्वस्थ व्यक्ति हर तीन माह मे रक्तदान कर सकता है : एडवोकेट धर्मवीर रेतरिया

हांसी/हिमालयन अपडेट

पिछले एक सप्ताह से पड़ रही गर्मी के चलते मरीजों में खून की मांग बढ़ जाने के कारण हांसी शहर की सामाजिक संस्था लोकहित मंच ने इस पूण्य यज्ञ में संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मतीर रेतरिया टीम के सदस्यों ने आज रक्तदान करके सराहनीय कार्य किया है ।

सामाजिक संस्था लोकहित मंच द्वारा स्थानीय मंगलम ब्लड बैंक मे एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक बौना सिंह यादव, डॉ. ईश्वर बडाला एवं विपिन बाबा ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में 63 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। उन्होंने बताया कि उपरोक्त शिविर का आयोजन ब्लड बैंक मे रक्त की कमी को देखते हुए विशेष रूप से आयोजित किया गया है।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि चूंकि रक्त का कोई विकल्प नही है। अतः इससे बढ़कर कोई दान नही है इसलिए रक्तदान को महादान कहा जाता है। एक रक्तदाता एक यूनिट ब्लड देकर तीन लोगों का जीवन बचाने का अमूल्य कार्य करता है अतः 18 से 65 आयु वर्ग का कोई कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन माह मे रक्तदान कर सकता है। उन्होंने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बिना रक्तदाताओं के रक्तदान शिविरों की कल्पना भी नही की जा सकती। संस्था के महासचिव मनमोहन तायल ने बताया कि भीषण गर्मी के बावजूद रक्तदाता रक्तदान हेतु पहुंचे। रक्तदान मे महिलाओं की भी महती भूमिका रही।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया, उपाध्यक्ष सुनील दुल्हन, नरेन्द्र भयाणा भाई जी होटल वाले, महासचिव मनमोहन तायल, कोषाध्यक्ष सुशील गुप्ता, पुनीत गौड़, गौरव भारतीय, कार्यक्रम संयोजक बौना सिंह यादव, डॉ. ईश्वर बडाला एवं विपिन बाबा सहित समाजसेवी रमेश सिंगला, हरीश शर्मा, राघव तायल, अनिल सोनी ,वीरभान यादव, संजीव गुप्ता, मुकेश कुमार, राकेश कुमार, देवेन्द्र कालीरामन व अन्य लोग उपस्थित रहे।

हार की बौखलाहट में अधिकारियों कर्मचारियों को धमकी दे रहे हैं पूर्व मुख्यमंत्री- हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री को नहीं है अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकी देने का कोई अधिकार - हुड्डा। ऐसे हताशा भरे बयानों से स्पष्ट है कि बीजेपी हार स्वीकार कर चुकी है : हुड्डा

चंडीगढ़/हिमालयन अपडेट

: पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा नेताओं के बयान लोकसभा चुनाव में उनकी हार की स्वीकृति है। हार की बौखलाहट में ही बीजेपी के पूर्व मुख्यमंत्री प्रदेश के अधिकारियों, कर्मचारियों को धमकी दे रहे हैं। जबकि उनके पास ना कर्मचारी को धमकी देने और ना ही उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई करने का अधिकार है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर किस अधिकार से वो चुनाव के दौरान और अब मतदान होने के बाद भी में धमका रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर खुद एक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी हैं। कोई शिकायत होती भी तो उसका निवारण चुनाव आयोग को करना था।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. उदयभान भी मौजूद रहे। नेता प्रतिपक्ष ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए हरियाणा की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में वोटिंग के

दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना होने की जानकारी नहीं आई। बावजूद इसके भाजपा नेता अब बोगस वोटिंग के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। जबकि देश और प्रदेश दोनों जगह बीजेपी की सरकार है, हर पोलिंग बूथ में बीजेपी के एजेंट मौजूद थे। मौके पर किसी भी एजेंट ने ऐसी कोई शिकायत नहीं की। लेकिन जब बीजेपी को हार सामने दिखने लगी तो हताशा में उसके नेता ऐसी बयानबाजी करने लगे। ऐसे बयानों से स्पष्ट है कि बीजेपी हार स्वीकार कर चुकी है।

हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की जनता ने बीजेपी द्वारा किसानों की दोगुनी आमदनी की वादाखिलाफी, महंगाई, बेरोजगारी और अग्निपथ योजना के जरिए युवाओं का भविष्य खराब करने जैसे मुद्दों पर वोट किया है। बीजेपी को इस बात का दर्द है कि उसके हवा हवाई मुद्दों को दरकिनार कर जनता ने जमीनी मुद्दों के आधार पर मतदान किया। लोकसभा चुनाव के बाद जनता विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी को करारा सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है।

माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा पंछियों के लिए सकोरे लगाये

कालांवाली/हिमालयन अपडेट

गर्मी को देखते हुए आज कालांवाली में युवा साथियों द्वारा माहेश्वरी युवा संगठन कालांवाली के मीडिया प्रभारी मोहन माहेश्वरी की अध्यक्षता में पंछियों के लिए सकोरे लगाये गये मीडिया प्रभारी मोहन माहेश्वरी ने बताया कि तापमान 50 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो रहा है जिसके कारण इनसानो के साथ साथ पंछियों का बुरा हाल है इन्सान तो मांग कर अपनी इच्छा व्यक्त कर सकता है परंतु जीव नहीं इसी को देखते हुए हम सब ने मिलकर यह पहल की है इस मौके पर हरियाणा पंजाब हिमाचल जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी युवा के प्रधान संयोग माहेश्वरी, अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के कार्यकारिणी सदस्य व माहेश्वरी युवा संगठन कालांवाली के पूर्व अध्यक्ष पंकज माहेश्वरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहित माहेश्वरी, माहेश्वरी युवा संगठन कालांवाली के प्रधान तरुण माहेश्वरी व सचिव गौरव माहेश्वरी, विनोद जांगड़ा, सुरेन्द्र सैनी मौजूद थे।

डिपूओं पर राशन सप्लाई को लेकर आपातकालीन मिटिंग सोढ़ी की अध्यक्षता में सम्पन्न

कालांवाली/हिमालयन अपडेट

प्रदेश के सरकारी राशन डिपूओं पर खाद्यान्न (गेहूं, सरसों-तेल, चीनी) की आपूर्ति कांफैड विभाग द्वारा परिवहन ठेकेदारों के माध्यम से करवाई जाती है। परन्तु पिछले काफी समय से कांफैड थोक बिंदू कालांवाली पर कोई स्थाई परिवहन ठेकेदार ना होने कारण सिरसा कांफैड केन्द्र पर नियुक्त परिवहन ठेकेदार सालासर बालाजी ट्रांसपोर्ट कम्पनी द्वारा ही कालांवाली केन्द्र व औढां उपकेन्द्र के 78 डिपूओं पर राशन सप्लाई का कार्य अस्थाई तौर पर किया जा रहा है। कांफैड विभाग ने आज मौखिक तौर पर डिपू होल्डरों के समक्ष एक प्रस्ताव रखा था कि क्या डिपू होल्डर खुद 27-20 के माल भाड़े की दर से खाद्यान्न (गेहूं, सरसों-तेल, चीनी) का उठान कर सकता है ? जिस वारे निर्णय लेने हेतु कालांवाली केन्द्र व औढां उपकेन्द्र के डिपू होल्डरों व युनियन के पदाधिकारियों की एक आपातकालीन मिटिंग गुरतेज सिंह सोढ़ी प्रधान डिपू होल्डर युनियन कालांवाली एवं मिडिया प्रभारी आल राशन डिपो होल्डर वेलफेयर एसोसिएशन हरियाणा की अध्यक्षता में गुरचरण दास डिपू होल्डर के संस्थान पर हुई जिसमें उपस्थित डिपू होल्डरों व मिटिंग से अनुपस्थित डिपू होल्डरों ने फोन सम्पर्क करके सर्वसम्मति से फैसला लिया कि इस माल भाड़े की दर पर डिपू होल्डर खुद खाद्यान्न (गेहूं, सरसों-तेल, चीनी) उठान में असमर्थ है। जिस वारे डिपू होल्डर युनियन ने पत्र लिखकर जिला प्रबंधक कांफैड मुख्यालय सिरसा को अवगत करवाते हुए कालांवाली कांफैड थोक बिंदू पर स्थाई परिवहन ठेकेदार की मांग की ताकि डिपूओं की खाद्यान्न समाग्री समय पर सप्लाई हो सके तथा राशन वितरण का कार्य सुचारू रूप से हो सके।

इस अवसर पर हरविंदर सिंह हस्सू प्रधान औढां ब्लाक, वीर सिंह रोड़ी प्रधान रोड़ी ब्लाक, जरनैल सिंह, मनोज कुमार, बलौर सिंह, लक्ष्मी नारायण, हंसराज, नेहा रानी , पप्पी राम, सुनीता रानी, जगतार सिंह, मुकेश कुमार, रेखा रानी, देवेन्द्र कुमार डिपू होल्डर आदि उपस्थित रहे।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

संपादक की कलम से

संकुचित नजरिया है महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा पर हमला

देश के सामने प्रश्न यह नहीं है कि हमें विकास की आवश्यकता है या नहीं, बल्कि यह सवाल है कि भारत में किस प्रकार का विकास होना चाहिए। प्रधानमंत्री की टिप्पणियों से लगता है कि 'इंडिया शाइनिंग' का कीड़ा गहराई तक अंतर्निहित है। भारत को चमकने के लिए मजबूर किया जा सकता है लेकिन यह सवाल बना हुआ है कि क्या भारत के लोग चमकेंगे- और यही वह जमीन है जिस पर इस चुनाव में भाजपा के खिलाफ अपनी लड़ाई में कांग्रेस भारी पड़ रही है।

चुनावी मौसम में बढ़ती गर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने चुने हुए मीडिया घरानों के साथ साक्षात्कारों की एक श्रृंखला शुरू की है। ज्यादातर साक्षात्कारों पर नियंत्रण दिखाई देता है लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इन साक्षात्कारों के सुरक्षित खाली स्थानों में भी कुछ अलिखित शब्द बच गए हैं जो आज देश के सामने मौजूद कुछ ज्वलंत मुद्दों के बारे में समझ और वचनबद्धता की खतरनाक कमी को प्रकट करते हैं। उदाहरण के लिए, कर्नाटक की शक्ति योजना पर प्रधानमंत्री की टिप्पणियों को लें! शक्ति योजना पिछले साल जून में शुरू की गई थी। ताजा आंकड़ों के मुताबिक अब तक महिलाओं और लड़कियों ने लगभग 200 करोड़ फेरे की शून्य लागत पर राज्य परिवहन की यात्रा बसों में की है। प्रतिदिन लगभग 65 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही हैं। ये आंकड़े सिटी बस सेवाओं और राज्य में शहर या गांव में चल रही बस सेवाओं की फेरियों के माध्यम से कहीं भी आने-जाने का लाभ उठा रही महिला यात्रियों के हैं। राज्य में इस योजना का जबरदस्त असर हुआ है और इसका एक सरल और स्पष्ट संदेश है कि महिलाएं खुद को स्वतंत्र महसूस करती हैं। वे हर जगह यात्रा कर रही हैं। आश्चर्य की बात नहीं है कि वास्तव में यह एकमात्र कल्याणकारी योजना है जिसका अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है। योजना सरल, स्पष्ट, प्रयोग करने योग्य है- अपना निवासी कार्ड दिखाएं और यात्रा करें।

एक साक्षात्कार में इस योजना के बारे में प्रधानमंत्री ने अज्ञानता भरी टिप्पणी करते हुए कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की पेशकश से नवनिर्मित मेट्रो सेवाओं का उपयोग कम होगा इसलिए मेट्रो घाटे में चलेगी और कोई भी देश में मेट्रो सेवाओं का निर्माण नहीं करेगा। यह बहुत ही सीमित और संकीर्ण दृष्टिकोण है और यह नजरिया उस समय टिक नहीं पाता है जब हम समझेंगे कि कल्याणकारी योजनाएं कैसे काम करती हैं। वे कैसे सशक्त हो सकती हैं और मुक्ति के लिए एक ताकत बन सकती हैं तथा समाज के कमजोर वर्गों, विशेष रूप से लड़कियों और महिलाओं के लिए नए अवसर खोल सकती हैं। जैसा कि कर्नाटक के मामले में है। यह आश्चर्यजनक है कि गुजरात के मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री के पदों पर दो दशकों से अधिक समय तक रहने के बाद भी नरेंद्र मोदी विकास की बुनियादी बातों के प्रति संवेदनशील दिखाई नहीं देते या उन्होंने ये सबक सुने तो हैं लेकिन इन पर ध्यान नहीं दिया है; अथवा चुनाव के इस कड़वे मौसम में वे कर्नाटक में यह योजना लाने वाली कांग्रेस के प्रति अपनी नफरत में अंधे हो गए हैं। भारत सरकार, यहां तक कि भाजपा सरकार भी बहुत सारी कल्याणकारी योजनाएं चला रही है और अगर प्रधानमंत्री की इसी सोच को लागू किया जाए तो अवधारणात्मक रूप से यह एक ऐसी सरकार होनी चाहिए जो न केवल कर्नाटक में मुफ्त परिवहन योजना बल्कि गैर-भाजपा शासित राज्यों- दिल्ली, तमिलनाडु, तेलंगाना और पंजाब की सभी कल्याणकारी योजनाओं को अस्वीकार करती है।

कर्नाटक की शक्ति योजना के संपूर्ण प्रभाव को देखने और समझने में अभी समय लगेगा। फिर भी यह विचार सभी तर्कों को पराजित कर देता है कि यह योजना सवारियों को मेट्रो से दूर ले जाती है। इसकी जड़ में यह बात है कि प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि गरीबों को भुगतान करने तथा मेट्रो लाइनों की सवारी करने के लिए कहें (जहां किराया सामान्य रूप से बहुत अधिक है) ताकि मेट्रो व्यवहार्य हो जाए एवं निवेश की भरपाई हो सके और इस प्रकार बताया जा सके कि विकास हुआ है। विकास के क्या मायने हैं यह उनके नेतृत्व वाली सरकार के लिए एक भयावह संकीर्ण दृष्टिकोण है और शायद इसे जाने बिना ही प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पार्टी के आरोप को स्वीकार कर लिया है कि यह अमीरों की, अमीरों द्वारा और अमीरों की सरकार है। जिस लेंस से काम करने का यह पूरा तरीका देखा जा रहा है वह फाइनेंसर का लेंस है। यह उन महिलाओं और लड़कियों का लेंस नहीं है जो कर्नाटक में मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठा रही हैं, जो सुविधाएं स्पष्ट रूप से पहले नहीं थीं। यह नरेंद्र मोदी की समझ की कमी की भी याद दिलाता है जो उन्होंने प्रधानमंत्री बनने से पहले दिखाई थी। जब वे नेतृत्व करने की तैयारी कर रहे थे तब उन्होंने मुंबई में एक सार्वजनिक बैठक में कहा था कि -'बुलेट ट्रेन दुनिया को यह दिखाने के लिए थी कि भारत विकसित है भले ही कोई इसका इस्तेमाल न करे।'

2024 के लोकसभा चुनावों में एनडीए का बहुमत खोने की संभावना

- नित्य चक्रवर्ती

जहां तक 2024 के लोकसभा चुनाव का सवाल है तो परिदृश्य थोड़ा अलग है। यह 2004 या 1996 के चुनाव के बाद के परिदृश्य की पुनरावृत्ति नहीं हो सकती। विवादास्पद मुद्दा यह है कि 2019 के चुनावों में पार्टी को मिली 303 सीटों में से भाजपा कितनी सीटें खो देगी? 2019 में मोदी लहर में भाजपा को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। इसकी संख्या निश्चित रूप से कम होनी है और इसकी कम संख्या ही अगली सरकार के गठन की दिशा तय करेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के पहले पांच चरण अब तक समाप्त हो चुके हैं, तथा अगले दो चरणों में मतदान के लिए कुल 543 में से केवल 115 सीटें बची हैं। नतीजे 4 जून को आयेंगे। पिछले कुछ दिनों में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा के सभी शीर्ष नेताओं ने सार्वजनिक बैठकों और टीवी चैनलों और समाचार पत्रों में साक्षात्कारों की एक श्रृंखला में घोषणा की है कि भाजपा पहले ही पार कर चुकी है 272 का जादुई आंकड़ा,जो बहुमत का निशान है,और अगले दो चरणों में, यह 300 से अधिक को पार कर जायेगा। गृह मंत्री अमित शाह तो पहले पांच चरणों में भाजपा के लिए 310 प्लस का आंकड़ा बता चुके हैं।

जहां तक इंडिया ब्लॉक का सवाल है, पहले पांच चरणों की उनके अपने आकलन ने उन्हें बड़ी उम्मीद दी है कि मतदान के रुझान एनडीए के खिलाफ जा रहे हैं, और उन्हें लग रहा है कि एनडीए बहुमत खो देगी। राहुल गांधी चुनावी सभाओं में प्रमुखता से घोषणा कर रहे हैं कि 4 जून के बाद केंद्र में इंडिया ब्लॉक नयी सरकार बना रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अगली रणनीति तय करने के लिए 4 जून के बाद इंडिया ब्लॉक पार्टियों की बैठक बुलाने की बात कही है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 3 जून को अपने पिता एमके करुणानिधि की जयंती कार्यक्रम में शामिल होने और स्थिति पर चर्चा करने के लिए सभी भारतीय ब्लॉक नेताओं को डीएमके कार्यालय में दिल्ली आने के लिए आमंत्रित किया है।

केजरीवाल के खिलाफ मुकदमों के नतीजे पर टिका आप का राजनीतिक भविष्य

– कल्याणी शंकर

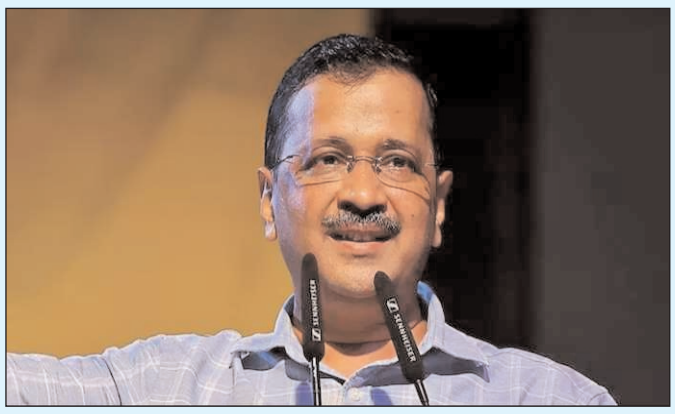

वर्तमान में, आप का केवल 20 निर्वाचन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव पड़ेगा। केजरीवाल का राष्ट्रीय प्रभाव उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। आप के पास वर्तमान में लोकसभा में एक और राज्य सभा में दस सीटें हैं। पार्टी ने अन्य राज्यों में अपना प्रभाव बढ़ाया है और अप्रैल 2023 में इसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया।

ल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले एक दशक में कई बाधाओं को पार किया है। फिर भी, उनका अटूट लचीलापन प्रेरणा का प्रतीक रहा है। वह और उनकी पार्टी इस वक्त शराब नीति मामले में सबसे बड़े संकट का सामना कर रहे हैं।

चुनौतियों के बावजूद केजरीवाल की राजनीतिक यात्रा उनकी अदम्य कर्मठता का प्रमाण है। 49 दिनों के संक्षिप्त कार्यकाल और 2014 में दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटें हारने के बाद, उन्होंने 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में 70 में से 67 सीटें हासिल करके उल्लेखनीय वापसी की।

पिछले महीने दिल्ली शराब नीति मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी, जिसमें भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप शामिल हैं, ने आम आदमी पार्टी के भविष्य पर अनिश्चितता की छाया डाल दी है। क्या यह पार्टी की राह का अंत होगा, या क्या वे इस तूफान का सामना कर सकते हैं और अपनी राजनीतिक यात्रा जारी रख सकते हैं?

शीर्ष अदालत द्वारा केजरीवाल को जमानत देने का फैसला, जिससे उन्हें मौजूदा चुनावों में अपनी पार्टी के लिए प्रचार करने की अनुमति मिल सकी, केजरीवाल के समर्थकों के लिए आशा की किरण है। यह सकारात्मक विकास केजरीवाल की सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है, खासकर अगर उन्हें जनता की सहानुभूति मिलती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथित उत्पीड़न और अपने सहयोगियों की कैद को उजागर करते हुए केजरीवाल खुद को दमित व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करते हैं। केजरीवाल और उनकी पार्टी जनता को यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि जेल में उनके साथ कैसा दुर्व्यवहार किया गया और कैसे उन्हें इंसुलिन और मधुमेह की दवा देने से इनकार कर दिया गया।नवंबर 2012 में आम आदमी पार्टी(आप) की स्थापना के बाद से केजरीवाल की गिरफ्तारी पार्टी के लिए सबसे बड़ा संकट है। पार्टी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें आंतरिक संघर्ष, भ्रष्टाचार के आरोप और आम आदमी की पार्टी के रूप में अपनी छवि बनाये रखने की आवश्यकता शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में, इंडिया अगेंस्ट करप्शन के दिनों से केजरीवाल के कई सहयोगियों को हटा दिया गया है, समेत कई ऐसे आरोप हैं। केजरीवाल ने अपने इर्द-गिर्द केंद्रित एक व्यक्तित्व आधारित पार्टी की शुरूआत की है।

आम आदमी पार्टी का सत्ता में आना काफी नाटकीय रहा है। इसकी शुरूआत 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से हुई थी। पार्टी कुछ ही महीनों के भीतर सत्ता में आ गई, लेकिन 48 दिनों में केजरीवाल का इस्तीफा आश्चर्यजनक नहीं था। हालांकि, अगले दो विधानसभा चुनावों में उन्होंने भारी बहुमत से जीत हासिल कर वापसी की। इन घटनाओं ने पार्टी के राजनीतिक प्रक्षेप पथ और केजरीवाल के लचीलेपन के बारे में जिज्ञासा जगा दी है। केजरीवाल हमेशा महत्वाकांक्षी रहे हैं। उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया और 2014 में बनारस में मोदी के खिलाफ भी खड़े हुए लेकिन हार गये। इस साहसिक कदम से केजरीवाल और उनकी पार्टी का रुतबा काफी बढ़ गया।

हाल ही में गठित इंडिया गठबंधन, जो एक महत्वपूर्ण राजनीतिक गठबंधन है और जिसका उद्देश्य भाजपा के प्रभुत्व को चुनौती देना है, में आप कांग्रेस के अलावा एक से अधिक राज्यों पर शासन करने वाली एकमात्र पार्टी के रूप में खड़ी है। यह गठबंधन उनकी पार्टी के दिल्ली और पंजाब से बाहर विस्तार का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

हालांकि, वर्तमान में, आप का केवल 20 निर्वाचन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव पड़ेगा। केजरीवाल का राष्ट्रीय प्रभाव उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। आप के पास वर्तमान में लोकसभा में एक और राज्य सभा में दस सीटें हैं। पार्टी ने अन्य राज्यों में अपना प्रभाव बढ़ाया है और अप्रैल 2023 में इसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया गया।

भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी का सत्ता में आना दिलचस्प है। भाजपा या वामपंथी दलों के विपरीत इसका कोई ठोस वैचारिक रुख नहीं है। यह ए.आई.ए. डी.एम.के., डी.एम.के., समाजवादी पार्टी, बीजू जनता दल, या राष्ट्रीय जनता दल जैसी क्षेत्रीय या समाजवादी पृष्ठभूमि पर निर्भर नहीं है। इसके बजाय, इसने भ्रष्टाचार-विरोधी और मुफ्तखोरी संस्कृति के विकास का समर्थन करके शक्ति प्राप्त की है।

आप अब दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के साथ लोकसभा चुनाव लड़ रही है, जबकि पंजाब में आप 13 सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है। यह गठबंधन केजरीवाल की राजनीतिक यात्रा के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण पेश करता है। आम आदमी पार्टी सिर्फ एक राजनीतिक इकाई नहीं है। यह कांग्रेस द्वारा छोड़े गये शून्य को भरने और हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात जैसे राजनीतिक रूप से द्विध्रुवीय राज्यों को लक्षित करने के लिए तैयार है।

मोदी ने 'मोदी की गारंटी' का वायदा किया है, जबकि केजरीवाल ने दस सूत्री एजेंडे की रूपरेखा तैयार की है। इस एजेंडे में भारतीय भूमि को चीनी कब्जे से 'मुक्त' कराना शामिल है यदि इंडिया ब्लॉक ने केंद्र में सरकार बनाई। दिल्ली को राज्य का दर्जा दिलाना, 24/7 बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना और मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के वायदे केजरीवाल के राष्ट्रीय मुद्दों पर फोकस को दशार्ते हैं।

दिल्ली शराब नीति मामला आम आदमी पार्टी के लिए असुविधाजनक हो गया है और भाजपा के लिए सुविधाजनक, चूंकि चुनाव चल रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या यह आप के लिए सड़क का अंत है? क्या गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, संदीप पाठक, राघव चड्ढा और आतिशी जैसे दूसरे पायदान के नेता पार्टी चला सकते हैं, या केजरीवाल अपनी सामान्य किस्मत के साथ वापसी करेंगे?

भारतीय मुसलमानों के लिए अमेरिकी चिन्ता की खतरनाक वास्तविकता

- मनोज ज्वाला

खबर है कि रिलीजियस मजहबी स्वतंत्रता की स्वयंभूव ठेकेदार बनी अमेरिकी सरकार भारत में मुसलमानों की स्थिति पर बडी चिन्तित है। वह चिन्तित इसलिए नहीं है कि भारत में मुस्लिम आबादी सर्वाधिक ४३ प्रतिशत की दर से बढ चुकी है और भारतीय मुसलमानों की विभिन्न जिहादी गतिविधियों से यहां के अनेक राज्यों में बहुसंख्यक हिन्दू समाज त्राहि-त्राहि कर रहा है; अपितु वह न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक अमेरिकी अखबार की उस रिपोर्ट को ले कर चिन्तित है, जिसमें यह कहा गया है कि ह्लप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत में धर्मनिरपेक्ष ढांचा और मजबूत लोकतंत्र कमजोर हुआ है।ह्व

मालूम हो कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने ह्लअपने ही देश में अजनबीः मोदी के भारत में मुसलमान होनाह्व शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत में मुस्लिम समाज पीड़ा और अलगाव से जूझ रहा है। वे अपने बच्चों को ऐसे देश में पालने की कोशिश कर रहे हैं, जहां उनकी पहचान पर सवाल उठा रहा है। इस अखबारी समाचार बनाम दुष्प्रचार पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका ने कहा है कि वह इस मामले पर भारत सहित दुनिया भर के देशों के साथ बातचीत कर रहा है, क्योंकि वह धार्मिक स्वतंत्रता के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्ध है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है कि हम दुनिया भर में सभी के धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने और उसकी रक्षा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं। मिलर ने आगे यह भी कहा है कि ह्लहमने भारत समेत कई देशों के साथ धार्मिक समुदायों के लिए समान रिलीजियस व्यवहार के महत्व पर चर्चा की है।ह्व

यहां यह गौरतलब है कि न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट और उस पर अमेरिकी सरकार की प्रतिक्रिया ऐसे समय पर आई है, जब भारतीय मुसलमानों की आबादी में सर्वाधि 43% की असामान्य वृद्धि दर्ज की गई है और सारा मुस्लिम समाज एकजुट हो कर भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध संसदीय चुनाव को प्रभावित करने के लिए वोटिंग जिहाद का संगठित अभियान चला रहा है। इससे पहले यह मजहबी समाज देश के कई राज्यों में अपनी संगठित शक्ति के बुते शासन-प्रशासन पर काबिज हो कर वहां से धार्मिक समाज के लोगों (हिन्दुओं) को विस्थापित होने को बाध्य कर चुका है और फिलवक्त अनेक राज्यों की सियासत को अपने हिसाब से संचालित करने की हैसियत प्रदर्शित कर रहा है। इतना ही नहीं, वह भारतीय संविधान से इत्तर मुस्लिम पर्सनल लॉ के सहारे विशेषाधिकारों की मलाई चाभ रहा है और मुस्लिम वक्फ बोर्ड की लाठी से सरकारी-गैरसरकारी भू-खण्डों पर कब्जा करते हुए लाखों हेक्टेयर भूमि का स्वामित्व हासिल कर सेना व रेलवे के बाद सबसे बडा भू-स्वामी बना हुआ है। जगजाहिर है कि भारत में मुसलमानों की हालत व हैसियत जितनी अच्छी है, उतनी मुस्लिम देशों में भी नहीं है। जबकि पडोसी पाकिस्तान में हिन्दुओं की आबादी 90% से भी ज्यादा घट गई है और वहां वे इस्लामिक स्टेट-संरक्षित उत्पीडन का इस कदर शिकार होते रहे हैं कि उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए भारत सरकार को उन्हें भारतीय नागरिकता प्रदान करने का कानून बनाना पडा है।

बावजूद इसके, अमेरिकी मीडिया इण्डस्ट्री और फॉरेन मिनिस्ट्री को भारत में ही मुसलमान आपदग्रस्त दीख रहे हैं, तो यह उनका दृष्टि-दोष नहीं है, अपितु एक सुनियोजित षड्यंत्रकारी प्रपंच है, जिसके सूत्र-समीकरण उस अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) के हाथों में हैं, जिसने अभी हाल ही में अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी कर भारत को धार्मिक स्वतंत्रता का हननकर्ता बताते हुए विशेष चिन्ता वाले देशों की सूची में शामिल कर रखा है। यूएससीआईआरएफ के लगभग सभी सदस्य रिलीजियस विस्तारवादी चर्च मिशनरियों से सम्बद्ध है, जबकि इस आयोग का गठन ही अमेरिका ने वेटीकन-पोप के दबाव में इण्टरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम एक्ट नामक कानून बना कर उसी के तहत कायम किया हुआ है ।

हॉट सीजन कूल किचन

और घर में रद्दोबदल करते हैं। लेकिन किचन की गर्म दीवारें सारे उपायों पर पानी फेर देती हैं। शाम को किचन में काम करना कुछ ज्यादा ही मुश्किल होता है। इन गर्मियों में अपने किचन को थोड़ा बदल कर देखें, आपके दिमाग का पारा भी संतुलित रहेगा।

कूल रहने के लिए सुबह-सुबह वॉक पर जाते हैं, इंडोर प्लांट्स लगाते हैं, वॉर्डरोब को दुरुस्त करते हैं थोड़ी सी फेरबदल

दिल्ली की इंटीरियर डिजाइनर टिप्स-

1. किचन खुला व हवादार हो। फ्रिज किचन में है तो उसे दूसरी जगह शिफ्ट करें।

2. लाइट कलर्स इस्तेमाल करें। रेड, ब्लैक या ग्रे कलर्स का इस्तेमाल सावधानी से करें। कैबिनेट्स, स्टोरेज एरिया और तीन वॉल्स लाइट कलर में रखें और एक वॉल को पसंदीदा रंग से रंग दें।

3. भारतीय किचन में तड़के व छौंक का प्रयोग काफी होता है। ध्यान रखें कि यहां चिमनी और दो खिड़कियां जरूर हों।

4. किचन की खिड़की के पास यूटिलिटी एरिया, बालकनी या लॉन है तो वहां कूलर या पंखा लगाया जा सकता है।

5. आमतौर पर बड़ा किचन होने पर लोग वहीं डायनिंग एरिया भी बना लेते हैं। लेकिन गर्मी में इसे किचन से दूर करें।

6. घर में ए.सी. नहीं है तो एक वॉल पर पंखा लगवाएं। उसकी दिशा ऐसी हो, जिससे हवा सीधे चूल्हे पर न लगे। 7. खिड़कियों पर छोटे बॉटल प्लांट्स लगाएं। इससे हवा शुद्ध होगी, हरियाली भी रहेगी।

8. एग्जॉस्ट फैन या खिड़कियों की नियमित सफाई करें, ताकि ग्रीस न जमा हो।

कुकिंग कम-कम

भारत में पके हुए भोजन को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन गर्मी में फूड हैबिट बदलें तो पेट और मौसम दोनों काबू में होंगे। मशहूर शेफ संजीव कपूर के अनुसार, मेरे हिसाब से टॉप 5 समर कूलर्स हैं- नीबू-पानी, लस्सी, आम का पना, कोकम शरबत और कुल्फी। किचन में काम करते हुए सूती व हल्के कपड़े पहनें, शरीर ढका हो, वर्ना डिहाइड्रेशन हो जाएगा।

डाइटीशियन डॉ. सुनीता रॉय चौधरी कहती हैं, गर्मियों में ककड़ी-खीरा, कॉर्न जूस, तरबूज-खरबूज के बीज, मिल्क-मैंगो शेक, स्प्राउट्स, ब्राउन ब्रेड, दही, छांछ या टोफू अपनी रसोई में जरूर रखें। खस या ठंडाई का प्रयोग बढ़ा दें।

8 कुकिंग टिप्स

1. सैलेड्स, फ्रूट्स, सैंडविच, बॉइल्ड एग्स, ब्रेड, चीज, मिल्क शेक्स..गर्मियों की किचन रेसिपी यही होनी चाहिए।

2. सब्जियां छोटे-छोटे और बराबर साइज में काटें तो कुकिंग तेजी से होगी।

3. खाना ढक कर या प्रेशर कुकर में पकाएं।

4. सब्जियां पकाने से आधे घंटे पहले फ्रिज से निकाल लें ताकि वे सामान्य तापमान में आ सकें और पकने में देरी न हो।

5. माइक्रोवेव अवन व ग्रिल का प्रयोग करें।

6. सैंडविचेज खाने के लिए भी बेस्ट उपाय हैं। इसके साथ कूल फ्रूट सैलेड या फ्रूट स्मूदी बेहतर रहेंगे।

7. लॉन में कुकिंग का आइडिया भी बुरा नहीं! गर्मियों की शामें हलका-फुलका खाने का मन हो तो आउटडोर कुकिंग भी ठीक है। बस अपने सैंडविच टोस्टर, अवन, फूड प्रोसेसर तैयार रखें।

8. बॉइल्ड पदार्थों का प्रयोग कम करें, इससे किचन में गर्मी व उमस बढ़ती है।

पति से होती हैं रोज लड़ाई तो फॉलो करें ये टिप्स

पति- पत्नि एक सिक्के के दो पहलू है। परिवार की सारी जिम्मेदारी पत्नि पर ही होती है। उसे पूरे परिवार का ख्याल रखना पड़ता है। साथ ही साथ बड़ी समझदारी से पति के साथ अपने मधुर संबंध विकसित करने होते है, ताकि सारी जिन्दगी उनका साथ एक-दूसरे से बना रहे। पति-पत्नी के बीच रिश्ता विश्वास व समझदारी से चलता है। आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बता रहे है, जिससे आपके बीच का रिश्ता दिनों-दिन मजबूत होता

जाएगा।

1. आपने आपको हमेशा सही न कहें

औरतों को अपनी बात हमेशा सही लगती है, यह उनकी सबसे बड़ी गलतफहमी होती है। यदि पति किसी काम को कुछ अलग तरीके से करते हैं और आप उस काम को अपने तरीके से करने के लिए मजबूर कर रही हैं। तो आप गलत है, आप ऐसा न करें। उन्हें समझने की कोशिश करें।

2.राई का पहाड़ न बनाएं

पति- पत्नि दोनों को ही एक-दूसरे को ही एक- दूसरे की भावनाओ की कद्र करनी चाहिए। छोटी- छोटी बातों को खींचने की बजाए उनको हल करें, न की राई का पहाड़ बनाए।

3. पति को दें अहमियत

आप घर परिवार के सदस्यों का ख्याल जरूर रखें, मगर सबसे अधिक महत्व अपने पति को ही दें।4. किसी के सामने गलती न निकालें

दूसरों के सामने अपने पार्टनर की गलतियां बताना असल में उन की इंसल्ट करना है। उनकी बातों को बीच में टोके नही।

5. शर्मिंदा न करें

आपके पति से अगर कभी कोई गलती हो जाती है, तो इसका मतलब यह नही की आप इस बात को बार-बार दोहरा कर उन्हें शर्मिंदा करें। इसका हल निकालने में उनकी मदद करें।

6. बार-बार न दोहराएं एक बात पत्नियां पति के लिए हमेशा काम की लंबी लिस्ट तैयार रखती हैं। आज यह कर देना, कल यह कर देना लेकिन किसी जरूरी काम के कारण अगर वो भूल जाए या देर हो जाए तो उन्हें बार-बार बार-बार दोहरा कर परेशान न करें।

7. खुद ही सुलझाएं सारी बात

अगर कभी आप के बीच कोई विवाद हो जाए तो उसे खुद ही सुलझाएं। किसी तीसरे को अपनी निजी जिंदगी में शामिल न होने दें।

वास्तु टिप्सः अब कभी नहीं होगी सास से लड़ाई!

घर की सुख शान्ति परिवार की महिलाओं पर निर्भर करती है। सास- बहू के बीच आपसी तालमेल की कमी के कारण कई बार घर का माहौल भी खराब हो

जाता है। आज हम आपको घर के वास्तु से जुडी हुए कुछ टिप्स बताएगे जिससे आपके घर में आपसी प्यार बढेगा।

- कमरों की दिशा

पश्चिमी या दक्षिण दिशा डॉमिनेटिंग होने के कारण यहां घर के बडों को ही रहना चाहिए। सास-ससुर का कमरा इस दिशा में होना चाहिए,तो आपसी सामजस्य बना रहेगा।

- किचन की दिशा

रसोईघर उत्तर-पूर्व में होगा तो सास-बहू के आपसी क्लेश, मनमुटाव और हमेशा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रहेंगी।

- किचन की सफाई

महिलाओं का ही ज्यादा टाइम रसोई में बीतता है, इसलिए सबसे ज्यादा असर इन्हीं की हेल्थ पर पडता है। आपसी तनाव बढता है।

- गहरे पेंट न करें

घर में खासकर रसोई में डार्क कलर ना करावएं, जैसे नीला कलर। इससे मनमुटाव बढता है।

- कमरों में लाल रंग न करवाएं

घर की दीवारों पर मल्टीकलर ना कराएं। खासकर रेड कलर को कम से कम इस्तेमाल में लाएं। - फैमिली फोटो लगाएं

परिवार के आपसी रिश्तों को अच्छा बनाने के लिए पूरे परिवार की फोटो लाल रंग के फ्रेम में कमरों में लगाएं।

अब कपड़ों पर लगें जिद्दी दाग-धब्बे नहीं करेंगे परेशान

बहुत सारे लोगों के लिए घर की साफ-सफाई करना मुश्किल भरा काम है। डस्टिंग से लेकर घर के झाड़-पोंछे और बर्तनों को धोना थका देने वाला काम है लेकिन इससे भी मुश्किल काम है, कपड़ों पर तेल और चाय-कॉफी के दाग हटाना। महंगे से महंगा सर्फ इस्तेमाल करने के बावजूद भी जिद्दी दाग नहीं जाते। गैस चूल्हों और स्लैब पर चिकनाई के दाग-धब्बे भी किचन की रंगत बिगाड़ कर रख देते हैं। आज हम आपको आसान से नुस्खें बताते हैं, जिसकी मदद से आप झट से इन दागों से पीछा छुड़वा सकते हैं। कपड़ों पर लगें दाग-धब्बे - पर्दों पर जमी धूल-मिट्टी और पीले दागों को हटाने के लिए इन्हें पानी और हाइड्रोजन पेरोक्साइड और पानी (समान मात्रा) में भिगोकर अच्छी तरह से रगड़ें।

-कपड़ों से तेल के दाग छुड़वाने के लिए बराबर मात्रा में पेट्रोल, एसीटोन और तारपीन मिश्रण धब्बों पर लगाकर अच्छे से रगड़ें। -कपड़ों पर मतली (वोमेटिंग) के दाग मिटाने के लिए नींबू और पानी का घोल डालकर अच्छे से रगड़ें। इससे दाग और बदबू, दोनों ही निकल जाएंगे। -1 लीटर ठंडे पानी में 1 टेबलस्पून ग्लिसरीन का घोल क्रापेट पर लगे काफी, चाय और कोल्ड ड्रिंक के दाग धब्बे दूर कर देता है। - बीयर और शराब के दाग छुड़वाने के लिए गर्म पानी में थोड़ा सा वाशिंग पाउडर घोल कर धब्बों पर रगड़े। फिर आधा लीटर पानी में 1 चम्मच सिरके डालकर इसे धो लें। -कपड़े पर पड़े ताजे स्याही के दाग को दूध से हटाएं। -घास के निशान को दूर करने के लिए नमकीन घोल(एक कप पानी में 1 चम्मच नमक) का इस्तेमाल करें। -सीजन में एक बार गद्दों को वैक्युम क्लीनर की मदद से साफ किया जाता है। गद्दों को साफ करने का यह बेस्ट तरीका है लेकिन इसके बावजूद भी गद्दों में कई बार बासी गंध आने लगती हैं। बासी गंध को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा को गद्दों पर छिड़के।आधे पौने घंटे के बाद ही वैक्युम करें। इस तरह से सारी बासी गंध दूर हो जाएगी। *किचन को चमकाएं रखने के आसान टिप्स - स्टोव (गैस चूल्हों) पर लगे तेल के चिकने दाग हटाने के लिए नींबू के रस का इस्तेमाल करें। दाग पर नींबू के रसों को छिड़के और 15 मिनटों के बाद इसे गीले कपड़े से पोंछें। -

सिरके की मदद से आपका ओवन चमक उठेगा। बस इसके लिए आपको सिरके और स्पंज की मदद से ओवन को अंदर की तरह अच्छे से साफ करने हैं और कुछ घंटों के लिए उसे ऐसे ही बंद छोड़ देना हैं बाद में किसी कपड़े से गंदगी को अच्छी तरह से पोंछ लें। जिद्दी दागों को ब्रश की मदद से छुड़वाएं। - किचन सिंक को चमकाने के लिए उस पर सोडा (वॉटर सोडा) डालें। कुछ मिनटों के बाद उस पर सिरका डालें और ब्रश के साथ अच्छे से रगड़कर और गर्म पानी डालें। सिंक चमक उठेगा।

-बेकिंग पाउडर की मदद से भी चिकनाई और कालिख दूर होती हैं। पानी में बेकिंग पाउडर घोलकर धब्बों पर छिड़कें। आधे पौने घंटे बाद गीले कपड़े से साफ कर लें। मिरर दरवाजों, स्लैब को साफ करने के लिए यही तरीका बेस्ट है।

मेरे हसबैंड बगल में खर्राटे... शादी के 3 महीने बाद उड़ी डिवोर्स की अफवाह पर

दिव्या अग्रवाल

ने दिया जवाब

दिव्या अग्रवाल टीवी की दुनिया का जाना-माना नाम हैं. उन्हें सलमान खान के शो बिग बॉस ओटीटी में काम करने के बाद से पॉपुलैरिटी मिली. एक्ट्रेस ने ये शो जीता भी था. उस दौरान वरुण सूद संग उनके रोमांस की खबरें थीं. लेकिन बाद में उनका वरुण के साथ ब्रेकअप हो गया. एक्ट्रेस ने इसके बाद शादी करने का फैसला लिया. उन्होंने 2022 में अपूर्व पडगांवकर से सगाई की फिर एक्ट्रेस ने 2 साल बाद ही फरवरी 2024 में अपूर्व से शादी कर ली. अब शादी के 3 महीने बाद ही जब उनके तलाक की अफवाहें उड़ने लगीं तो इसपर दिव्या का रिएक्शन भी अब आ गया है.

दिव्या ने क्या कहा ?

दिव्या ने कहा- 'मैं किसी को ज्यादा डिस्टर्ब नहीं करती. मैं न तो स्टोरीज डालती हूं न तो मैं किसी पर कोई कमेंट करती हूं. मैंने अपने 2500 पोस्ट्स डिलीट कर दिए हैं. लेकिन इन सबके बाद भी मीडिया ने मेरी शादी पर रिएक्ट करना चुना. मुझे तो ये हास्यास्पद लगता है कि लोग कैसे मुझसे जुड़ी चीजों का ऐसा अनुमान लगा लेते हैं जिससे उन्हें कोई मतलब ही नहीं होना चाहिए. मैंने हमेशा से ऐसा कुछ किया है जैसा किसी ने भी मुझसे एक्सेप्ट नहीं किया. अब लोग मुझसे क्या एक्सपेक्ट कर रहे हैं? कि मैं बच्चे पैदा करूं या फिर मैं तलाक ले लूं. दोनों में से कुछ भी नहीं होने जा रहा है.'

क्यों उड़ने लगी अफवाह ?

एक्ट्रेस ने आगे कहा- 'रियलिटी की बात करें तो आज से मैं ये चाहती हूं कि लोग मेरे बारे में जब बात करें तो वे इंस्टाग्राम पर मेरी जो पहली पिन्ड पोस्ट है उसके बारे में बात करें. हर एक मूवी का जैसे सुखद अंत होता है उसी तरह मौजूदा समय में भगवान की दुआ से मेरे हसबेंड मेरे बगल में ही बैठे हैं और तसल्ली से खर्राटे मार रहे हैं.' दरअसल दिव्या अग्रवाल ने कुछ समय पहले ही हसबेंड संग अपने शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया से हटा दी थीं. इसके बाद से ही उनेक तलाक की अफवाहे फैलनी शुरू हो गई थीं. अब इसपर खुद एक्ट्रेस ने भी रिएक्ट कर दिया है और उनके मुताबिक उनके तलाक की अफवाहों में कोई दम नहीं है.

KKK 14: रोहित शेट्टी के शो में शामिल होने के लिए 6 महीने से नहीं खाए रोटी और चावल

रोहित शेट्टी प्राइवेट जेट में बैठकर रोमानिया पहुंच चुके हैं. जल्द अपने सारे कंटेस्टेंट के साथ मिलकर वो कलर्स टीवी के एडवेंचर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 14 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं. सुमोना चक्रवर्ती और आसिम रियाज के अलावा सभी कंटेस्टेंट की फ्लाइट भी फिलहाल रोमानिया लैंड हो गई है. इन कंटेस्टेंट में से एक चर्चित कंटेस्टेंट हैं एक्ट्रेस अदिति शर्मा. 'कलीरें', 'नागिन 3' जैसी टीवी सीरियल से अपना कमाल दिखा चुकीं अदिति का ये पहला रियलिटी शो है. और इसलिए 6 महीने पहले से ही अदिति ने इस शो के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी थीं.अदिति ने बताया, मैंने फिजिकल ट्रेनिंग के साथ साथ कार्ब्स कम करने पर भी काम शुरू कर दिया था. ये बात तो सही है कि कार्ब्स से आपको ज्यादा एनर्जी मिलती है. लेकिन मैंने कार्ब्स कम करते हुए प्रोटीन लेना शुरू कर दिया. क्योंकि प्रोटीन आपको वो ताकत देता है, जो फिजिकल एक्टिविटी करने के लिए काम आती है. मैंने कोई भी जंक फूड नहीं खाया है. साथ ही मेरी पूरी कोशिश रही है कि 6 महीने तक कोई फैट मेरे पेट में न जाए. 6 महीने से मैंने न रोटी खाई है न ही चावल. हां लेकिन मैं दाल और पनीर खा रही हूं, क्योंकि उसमें बहुत प्रोटीन होता है. वैसे भी कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है.

एक्साइटेड हैं घरवाले

अदिति ने कहा, 'खतरों के खिलाड़ी 14' को लेकर मेरे माता-पिता मुझसे भी ज्यादा उत्साहित हैं. उनको पूरा विश्वास है कि मैं ये शो जीत जाऊंगी. उन्होंने कहा कि ट्रॉफी के साथ वापस आने के बाद वो मेरा विजय तिलक करने वाले हैं. लेकिन मैंने अब तक इस बारे में कुछ सोचा नहीं है. मैं इस शो में जाऊंगी, एंजॉय करूंगी. और डर की बात करें तो, फिलहाल मुझे पता नहीं कि मुझे किससे डर लगता है, लेकिन जब मैं स्टंट परफॉर्म करूंगी, तब मुझे पता चलेगा कि मुझे कौन सी चीजों से डर लगता है.

मेरा मंदिर, मेरे बेटे की उम्मीदें वहीं हैं....सोशल मीडिया पर छलका दलजीत का दर्द

महीनों की चुप्पी के बाद मशहूर टीवी एक्ट्रेस दलजीत कौर अब अपने पति निखिल पटेल को लेकर कई खुलासे कर रही हैं. बिग बॉस फेम दलजीत ने कुछ महीने पहले केन्या स्थित एनआरआई बिजनेसमैन निखिल पटेल से शादी की थी. शादी के बाद वो अपने बेटे जेडन के साथ केन्या शिफ्ट हुई थीं. लेकिन शादी के महज दस महीने बाद दलजीत ने सोशल मीडिया अकाउंट से पति के साथ अपनी सारी तस्वीरें डिलीट कर दीं. और अपने बेटे के साथ वो इंडिया लौट आईं. जब एयरपोर्ट पर स्पॉटिंग के दौरान दलजीत से उनके रिश्ते के बारे में सवाल पूछे गए, तब उन्होंने कहा कि वो अपने पापा के ऑपरेशन के लिए मुंबई आई हैं. और फ़िलहाल अपने रिश्ते को लेकर वो कोई बात नहीं करना चाहतीं.अब दलजीत ने अपने पति पर चीटिंग का आरोप लगाया है. कुछ दिन पहले अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने लिखा था कि उनके पति निखिल का एसएन नाम की किसी महिला के साथ रिश्ता है. इन आरोपों के बाद उन्होंने फिर एक बार एक बड़ा पोस्ट लिख कर निखिल के बारे में अपना गुस्सा उनके सोशल मीडिया फॉलोवर्स के साथ शेयर किया था. हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने ये पोस्ट डिलीट कर दी.

निखिल की वजह से परेशान हैं दलजीत

दरअसल दलजीत फिलहाल अपने बेटे जेडन के साथ इंडिया में रह रही हैं और उनके पति निखिल केन्या में हैं. दलजीत ने एक ब्राइडल लुक में अपनी फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'मेरे कपड़े वहां हैं, मेरा चूड़ा वहां है, मेरा मंदिर, मेरी सारी चीजें वहां हैं. मेरे बेटे के कपड़े, किताबें और पिता को लेकर उसकी उम्मीद भी वहीं हैं. वो मेरा ससुराल है, मेरी पेंटिंग भी अब तक मैंने वहां रखी है, लेकिन मेरा पति कह रहा है कि वो घर मेरा नहीं है, वो अब कह रहा है कि हमने कभी शादी ही नहीं की. क्या वो मेरा पति नहीं है? आप क्या सोचते हैं क्या निखिल मेरा पति नहीं है? क्या हमारी शादी नहीं हुई?'

शालीन से हुई थी पहली शादी

दरअसल दलजीत ने मार्च 2023 में बिजनेसमैन निखिल पटेल से शादी की थी. लेकिन इससे पहले उन्होंने टीवी एक्टर और 'बिग बॉस 16' के एक्स-कंटेस्टेंट शालीन भनोट से शादी की थी. 8 साल पहले 2015 में शालीन और दलजीत अलग हो गए थे. जेडन इन दोनों का एक बेटा है, जिसकी कस्टडी फिलहाल दलजीत के पास है.

क्या मैं चुड़ैल दिखती हूं? शो का नाम सुनकर गुस्से में

निया शर्मा

ने पूछा था ये सवाल

निया शर्मा अपने हर प्रोजेक्ट से पहले मुंबई के दादर स्थित सिद्धिविनायक मंदिर जाकर भगवान गणपति के दर्शन लेती हैं. पिछले 13 सालों से निया ने ये परंपरा जारी रखी है. अब अपने नए सीरियल के शुरू होने से पहले भी निया ने इस मंदिर में जाकर बाप्पा के दर्शन किए. 4 साल बाद निया सीरियल 'सुहागन चुड़ैल' के साथ छोटे पर्दे पर अपनी वापसी कर चुकी हैं. इस सीरियल में निया पहली बार एक नेगेटिव किरदार में नजर आएंगी. अपने इस नए सीरियल को लेकर निया काफी एक्साइटेड हैं. इस खास मौके पर उन्होंने टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ टीवी पर उनकी वापसी से लेकर उनके फिजिकल ट्रान्सफॉर्मेशन तक कई मुद्दों पर विस्तार से बात की.

मैं इस सीरियल में एक टाइटल किरदार निभाने जा रही हूं और मुझे लगता है कि ये बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. ये शो मेरे किरदार पर ही बना हुआ है. लेकिन ये अटेन्शन मैं एन्जॉय कर रही हूं. अब यहां तक पहुंचने के बाद अगर मेरे किरदार को सीरियल में इतना महत्व नहीं मिलता, तो शायद मैं वो सीरियल भी नहीं करना चाहती. मैं 4 सालों के बाद टीवी पर कमबैक करने जा रही हूं, और इसलिए कमबैक की वजह भी खास होनी चाहिए थी. 'सुहागन चुड़ैल' ने मुझे वो वजह दी है.

जब इस शो का ऑफर आया था, तब मैंने इसे तुरंत मना कर दिया था, और 'सुहागन चुड़ैल' ये ऐसा नाम नहीं है कि कोई भी उसे तुरंत हां कर देगा. इंडियन टीवी पर पहले से ही रिग्रेसिव कंटेंट दिखाने का इल्जाम लगाया जाता है. और इस शो के नाम में ही चुड़ैल था. मैं इस बात से भी गुस्सा थी कि क्या मैं उन्हें चुड़ैल लग रही हूं, जो वो मुझे इस तरह का किरदार ऑफर कर रहे हैं. लेकिन फिर उन्होंने मुझे समझाया. मेरे साथ क्रिएटिव टीम की कई मीटिंग्स भी हुईं. और मुझे ये समझ में आ गया कि इस टाइटल के पीछे की कहानी क्या है. और इसके अलावा मेरी सारी डिमांड वो मानने के लिए तैयार थे, ये एक ऐसी कहानी है जिसकी शुरुआत और एंडिंग भी पहले से ही तय है, टीआरपी के लिए मेरे किरदार के साथ कोई छेड़-छाड़ नहीं की जाएगी. जो मुझे मेरे कमबैक प्रोजेक्ट में चाहिए था, वो सब कुछ मुझे मिल रहा था. और इसलिए मैंने ये शो करने के लिए 'हां' कर दी.जब ये शो मुझे ऑफर हुआ था तब मैं मेरी फिटनेस का ध्यान पहले से ही रख रही थी. लेकिन ये एक ग्लैमरस किरदार है. और यही वजह है कि इस दौरान मैंने बहुत सी खाने की चीजों का त्याग कर दिया है. दरअसल इस किरदार में फिट बैठने के लिए कुछ दिनों के लिए मैंने खाना ही बंद कर दिया था. चुड़ैल के जो बोल्ड कपड़े मुझे दिए थे, उनमें मुझे फिट आना था. मैंने पानी पीना भी बंद कर दिया, मैंने खाना खाना बंद कर दिया.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक अनिल कुमार जम्वाल द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं सिग्मा प्रिंटर, ब्लॉक नं.6, शॉप नं. 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला-171009 से मुद्रित। संपादकः अनिल कुमार जम्वाल। हिमालयन अपडेट से संबंधित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 7018631199। email: himalayanupdate@gmail.com